राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शुक्रवार, 27 जून 2025
वर्ष 14, अंक 78, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

बंदरों का आतंक- बलसिंह खेड़ा गांव में दहशत का माहौल....03

दिल्ली पुलिस ने कुख्यात गोगी गैंग के एक हथियारबंद शार्प शूटर को गिरफ्तार किया....04

बिहार को विकास की रफ्तार देने आई सौगातों की बारिश, डबल इंजन सरकार ने सौंपे 85 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट्स

स्वतंत्र प्रभात

पटना- बिहार के विकास में केंद्र और राज्य की सरकारें यानी डबल इंजन की सरकार पूरी सिद्दत से लगी हुई है। इसी का नतीजा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फरवरी से जून में अब तक 4 बार बिहार आ चुके हैं और पांच कार्यक्रमों में शिरकत कर 54 हजार 400 करोड़ रुपये से अधिक की सौगात बिहार को दे चुके हैं। पीएम का दो दिवसीय 29 और 30 मई का कार्यक्रम भी शामिल है, जिसमें पटना में 29 मई की शाम को हुआ एक रोड-शो भी शामिल है। इसी तरह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने फरवरी से जून में अब तक करीब 26 ऐसे कार्यक्रम किए, जिसमें करोड़ों रुपये की योजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन या लोकार्पण किया गया है।

राजधानी को चमकाने पर सबसे ज्यादा ध्यान

इनमें आधा दर्जन से अधिक ऐसी योजनाएं शामिल हैं, जिसे राजधानी पटना को चमकाने में उपयोग की गई हैं। इसमें सड़क से जुड़ी योजनाओं की संख्या अधिक है। पटना को खासतौर से मिली सौगातों में जेपी गंगा पथ के अंतिम चरण कंगन घाट से दीदारगंज तक का उद्घाटन हुआ। यह प्रोजेक्ट 3831 करोड़ रुपये का है। पटना के अशोकराज पथ पर करगिल चौक से साइंस कॉलेज तक 422 करोड़ रुपये की लगात से बना डबल डेकर फ्लाइओवर तैयार हो गया है। यह देश में अपनी तरह का पहला डबल डेकर फ्लाइओवर है। मीठापुर-महुली ऐलिवेटेड रोड, 1105 करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह प्रोजेक्ट पटना में मीठापुर (भूपतिपुर) से शुरू होकर महुली (पुनपुन के पास) तक जाता है। इसकी लंबाई 8.7 किमी है। पटना में जीपीओ गोलंबर के पास 66.81 करोड़ रुपये की लागत से बने मल्टी मॉडल हब और 84.83 करोड़ रुपये अंडरग्राउंड सब-वे का उद्घाटन। पटना स्थित जेपी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन। इसकी लागत 1200 करोड़ रुपये है और पीएम ने किया था उद्घाटन। 7166 करोड़ रुपये के ड्रेनेज समेत अन्य जलापूर्ति योजनाओं और भवन संरचनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया गया पटना में नमामी गंगे परियोजना के तहत पांच एसटीपी प्लांट का उद्घाटन। इसका पीएम ने उदघाटन किया है। पीएमसीएच के 1117 बेड के नए भवन के एक हिस्से का उद्घाटन किया। इस प्रोजेक्ट की कुल लागत 5540 करोड़ रुपये है। तिब्बी कॉलेज के नए भवन का शिलान्यास और कार्यारंभ किया गया है। कच्ची दरगाह से विदुपुर तक गंगा पर छह लेन का पुल सह सड़क का उद्घाटन। योजना की लागत 4 हजार 988 करोड़ रुपये है।

करीब 85 हजार करोड़ की योजना मिली

अगर इस वर्ष सिर्फ मार्च से जून में अब तक डबल इंजन की सरकार के स्तर से कुल योजना राशि का आंकलन करें, तो यह 84 हजार 454 करोड़ रुपये से अधिक यानी करीब 85 हजार करोड़ रुपये की योजनाएं शामिल हैं। इसमें कई योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं, कुछ नई योजनाएं शुरू की गई है, वहीं कुछ का शिलान्यास किया गया है, जो आने वाले कुछ महीनों या वर्षों में पूरी होगी। इस 85 हजार करोड़ रुपये की योजनाओं में बड़ी संख्या सड़कों या पुलों से जुड़ी योजनाओं की हैं। इस राशि में सर्वाधिक राशि प्रधानमंत्री की 30 मई को बिक्रमगंज के दौरे में दी गई 48 हजार 500 करोड़ रुपये और 20 जून को सीवान में 5 हजार 900 करोड़ रुपये के योजनाओं की सौगात शामिल है।

इसमें शामिल कुछ प्रमुख योजनाएं

- 5 मार्च को पीएम (ग्रामीण) आवास योजना के 3 लाख लाभुकों के खातों में सीएम ने 1200 करोड़ रुपये ट्रांसफर
- 12 मई को सीएम ने 12 हजार 105 किमी लंबी 6 हजार 938 सड़कों की मरम्मति कार्य का शुभारंभ किया। 8 हजार 716 करोड़ रुपये इसकी लागत है।
- 13 मई को बेगूसराय में 200 करोड़ रुपये से अधिक की 48 योजनाओं का शिलान्यास सीएम ने किया।
- 19 मई को आरा में 144 करोड़ 72 लाख रुपये की लागत से कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज का शिलान्यास किया।
- 20 मई को सीएम ने मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के तहत 1002 करोड़ रुपये की 1327 विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया।
- 9 जून को सीएम बख्तियारपुर के लखनपुरा के पास घनसुरपुर से देदौर घाट तक गंगा के बहाव को वापस लाने की 342 करोड़ रुपये की योजना तैयार की।
- 13 जून को मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के तहत 271 करोड़ रुपये सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत जारी किया।

यूपी में ट्रांसजेंडर बनेंगे आत्मनिर्भर, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से जोड़ने की तैयारी में सरकार

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ- उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ट्रांसजेंडर समुदाय को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में इसे मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से जोड़ने की तैयारी में है जिसके तहत उन्हें कौशल के आधार पर प्रशिक्षण और ऋण सहायता दी जाएगी। राज्य सरकार की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक योगी सरकार की मंशा है कि समाज में लंबे समय से उपेक्षित रहे ट्रांसजेंडर समुदाय को न केवल गरिमा के साथ जीवन जीने का अवसर मिले, बल्कि वे सम्मान और अधिकार के साथ आत्मनिर्भर भी बनें।

ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने के निर्देश

इसी उद्देश्य से समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने विभाग को प्रदेश के प्रत्येक जिले में ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत हर जिले में कम से कम दो ट्रांसजेंडरों को रोजगार दिलाने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार के मुताबिक गोरखपुर में संचालित गरिमा गृह में रह रहे ट्रांसजेंडरों को शिक्षा, प्रशिक्षण और रोजगार दिलाकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। यहां अब तक आठ ट्रांसजेंडरों को विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित कर रोजगार उपलब्ध कराया गया है।

100 कल्याण केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए

गरिमा गृह को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में भी कदम उठाए जा रहे हैं। पिछले दिनों राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अधिकारियों को प्रदेशभर में ट्रांसजेंडरों के लिए 100 कल्याण केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए थे ताकि इन केंद्रों के माध्यम से इस समुदाय को शिक्षा, प्रशिक्षण और रोजगार से जोड़ा जा सके। सरकारी विज्ञप्ति के मुताबिक योगी आदित्यनाथ की सरकार इन केंद्रों के माध्यम से ट्रांसजेंडरों को शिक्षा, डिजिटल साक्षरता, पाक-कला, सिलाई, कंप्यूटर, सौंदर्यकला आदि जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित कर स्वरोजगार से जोड़ने पर विचार कर रही है। साथ ही सरकार यह भी सुनिश्चित कर रही है कि ट्रांसजेंडर समुदाय को राशन कार्ड, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और पेंशन जैसी सुविधाओं का लाभ सीधे मिले। इसके लिए अलग से जनगणना कराए जाने की भी तैयारी है।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य बोले- अब कांवड़ियों की आस्था को खंडित करने का दुस्साहस नहीं करेगा कोई

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज - उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने श्रावण मास में कांवड़ियों की आस्था को खंडित करने की मंशा रखने वालों को कड़ी चेतावनी दी है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने साफ किया है कि अगर किसी ने भी कावड़ियों की आस्था, भक्तिभावना और श्रद्धा को खंडित करने का पाप किया तो उसे कड़ी कानूनी कार्रवाई के लिए तैयार रहना होगा। वहीं मांस और मदिरा की दुकानों को कांवड़ मार्ग से हटाए जाने की संतो की मांग का डिप्टी सीएम ने समर्थन किया। उन्होंने कहा कि पहले से ही कांवड़ मार्ग में मांस और मदिरा की दुकानें बंद रखने का आदेश है। डिप्टी सीएम ने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि कावड़ियों की आस्था के साथ खिलवाड़ करने का कोई भी दुस्साहस नहीं करेगा।

कावड़ियों की सेवा भाव और उनकी आस्था का पूरा सम्मान करेगी सरकार

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार कावड़ियों के साथ ही यहां आने वाले किसी भी तीर्थ यात्री को कोई असुविधा न हो इसके लिए सभी जरूरी दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। सरकार के हर स्तर से कावड़ियों की सेवा भाव और उनकी आस्था, सुरक्षा को लेकर जरूरी कदम भी उठा रही है।

सरकारी जमीनों पर अवैध रूप कब्जा करने वाले गुंडो पर होगी कार्रवाई

वहीं सपा से जुड़े नेताओं के अवैध कब्जे को लेकर भी डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर कोई सपा से जुड़ा मुस्लिम नेता या गुंडा सरकारी जमीनों पर अवैध रूप से कब्जा किया है, और कब्जा करके कोई निर्माण करा लिया है तो उसे खाली कराने के लिए कानूनी रूप से नोटिस दिया जाता है। फिर भी अगर कोई नहीं हटाता है तो फिर उसे श्रमिकों के जरिए या फिर जरूरत पड़ने पर बुल्डोजर से हटाने का काम किया जाता है। उन्होंने कहा कि जो गैर कानूनी होता है उसे ही हटाया जाता है।

अवैध कब्जा होगा मुक्त

प्रयागराज में माफिया अतीक के गुर्गों द्वारा सरकारी जमीनों पर कब्जे के आरोप में दर्ज हुई एफआईआर को लेकर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अतीक अहमद तो चले गए, लेकिन जो उनके गुर्गे बचें हैं और वह नहीं सुधरेंगे तो सरकार के पास मशीनरी है, जांच करके जो दोषी या फिर कब्जा पाया जाएगा उसे खाली कराया जाएगा। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने माफिया के गुर्गों को हिदायत देते हुए कहा कि उनके अवैध कब्जों पर पुलिस, प्रशासन और प्रयागराज विकास प्राधिकरण का बुल्डोजर पहुंचे उसके पहले उन्हें ही सरकारी जमीनों के कब्जे को खाली करके सरकार को सौंप देना चाहिए, वरना सरकार अपने स्तर से हर कब्जे को मुक्त कराने का काम करेगी।

संक्षिप्त ख़बरें

चार वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

तालगांव सीतापुर तालगांव कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत तालगांव पुलिस टीम के द्वारा चलाए गए वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी सघन अभियान तहत चार वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत गोडरिया गांव से हीरा लाल पुत्र कंधई उम्र 60 वर्ष, रामकिशन पुत्र हजारी उम्र 55 वर्ष व विद्याधर पुत्र चंद्रभाल उम्र 45वर्ष निवासी भनवापुर, व कन्हैया लाल पुत्र नत्थाराम उम्र 28 इमलिया जो कि अलग अलग धाराओं में वांछित थे जिन्हे तालगांव पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अलग अलग स्थानों से गिरफ्तार किया इस पुलिस टीम में उप निरीक्षक वीरेंद्र कुमार मिश्रा, राम केवल, हे. का.रंजीत यादव, अवनीश शर्मा, का.अमन कुमार, विशाल कुमार सहित आदि लोग मौजूद रहे तालगांव कोतवाली प्रभारी दीपक राय ने बताया कि गिरफ्तार किए गए अभियुयुक्तो को न्यालय भेजने की कार्यवाही की गई।

डीएम ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

शाहजहांपुर ।जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह ने बुधवार को डीएम कंपाउंड स्थित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) वेयरहाउस का त्रैमासिक अंतरिम निरीक्षण किया। उनके साथ उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी प्रशासन रजनीश कुमार मिश्रा, विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ईवीएम एवं वीवीपैट के स्ट्रॉन्ग रूम को खुलवाकर व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने वेयरहाउस की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, तथा सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की विस्तार से जांच की। जिलाधिकारी ने संपूर्ण व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए निर्देश दिया कि सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद बनी रहे एवं सीसीटीवी कैमरे निरंतर सक्रिय रहें। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दोस्त समझते रहे मजाक - डूबता गया युवक, पूल हादसे में मौत का वीडियो आया सामने

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर- बीते रविवार को एक दर्दनाक हादसे में 24 साल के युवक की वॉटर पार्क में नहाते समय डूबने से मौत हो गई। यह हादसा सनिगवां इलाके में स्थित 'वॉटर वॉल स्वीमिंग पूल 'में हुआ। युवक अपने दोस्तों के साथ पार्टी मनाने गया था। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया, मां और बहन सदमे में बेहोश हो गईं।

क्या हुआ था उस दिन?

युवक का नाम शिखर सिंह था, जो यशोदा नगर का रहने वाला था और नगर निगम में ठेकेदारी करता था। रविवार को वह अपने दोस्तों के साथ सनिगवां स्थित वाटर पार्क में गया था। सभी ने पहले साथ में पार्टी की और फिर पूल में नहाने उतर गए। नहाते समय अचानक शिखर ने पानी में हाथ-पैर मारने शुरू कर दिए। उसके दोस्तों को लगा कि वह मजाक कर रहा है, इसलिए किसी ने ध्यान नहीं दिया। लेकिन कुछ ही मिनटों में वह पानी के अंदर चला गया और डूब गया।

जब तक समझते दोस्त, बहुत देर हो चुकी थी

काफी देर तक जब शिखर पानी से बाहर नहीं आया, तो दोस्तों को चिंता हुई और उन्होंने उसे तलाशना शुरू किया। थोड़ी देर बाद वह पूल में ही बेहोश हालत में मिला। उसे तुरंत नजदीकी निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

परिवार में मचा कोहराम

जैसे ही यह दुखद खबर शिखर के घर पहुंची, उसकी मां बीनू और बहन अनामिका सदमे में बेहोश हो गईं। शिखर अपने परिवार का इकलौता बेटा था, जिसकी अचानक मौत से घर में मातम पसरा हुआ है।

पुलिस की कार्रवाई

घटना की जानकारी मिलते ही चकेरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी संतोष शुक्ला ने बताया कि शुरुआती जांच में यह एक हादसा प्रतीत होता है। परिवार की ओर से अभी तक किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया गया है। फिर भी कानूनी प्रक्रिया के तहत शिखर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने पूल के सीसीटीवी फुटेज भी चेक किए, जिसमें शिखर खुद ही डूबता हुआ नजर आया। किसी तरह की संदिग्ध गतिविधि नहीं पाई गई।

कानपुर पुलिस का काला सच! दारोगा-सिपाही ने आरोपी को इशारे से भगाया

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर- उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने पुलिस विभाग की साख को बुरी तरह ठेस पहुंचाई है। जहां की पुलिस टीम एक आरोपी को पकड़ने गई थी, लेकिन स्थानीय चौकी इंचार्ज और एक सिपाही की मिलीभगत के कारण वह आरोपी मौके से भाग गया। घटना का वीडियो सीसीटीवी में कैद हो गया, जो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद जांच शुरू हुई। मामले में डीसीपी ने चौकी इंचार्ज आदित्य बाजपेई और सिपाही विजय राज को निलंबित कर उनके खिलाफ स्न्ढ्ढक्रदर्ज कराई है।

दबिश के दौरान आरोपी को बचाने का आरोप

पुलिस ने बताया कि 12 जून 2025 को नवाबगंज और कोहना थाने की पुलिस दीनू उपाध्याय उर्फ धीरज गैंग के वांछित आरोपी अनूप शुक्ला को पकड़ने दबिश देने जा रही थी। लेकिन इससे पहले ही चौकी इंचार्ज आदित्य बाजपेई और सिपाही विजय राज ने अनूप को दबिश की सूचना दे दी। इसके बाद अनूप सूटकेस लेकर मौके से भाग गया, जबकि दोनों पुलिसकर्मियों ने इसे नजरअंदाज कर दिया।

CCTV में कैद हुई पूरी घटना

वायरल हुए सीसीटीवी फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि चौकी इंचार्ज आदित्य बाजपेई सिपाही विजय राज के साथ बाइक पर अनूप शुक्ला के पास पहुंचे। अनूप सूटकेस लेकर पहले से तैयार खड़ा था। आदित्य ने उसे इशारे से भागने का संकेत दिया और अनूप ने हाथ हिलाकर जवाब दिया। इसके बाद अनूप मौके से फरार हो गया। जब पुलिस दबिश देने पहुंची, तो वह वहां मौजूद नहीं था।

जांच और कार्रवाई

मामले की गंभीरता को देखते हुए सहायक डीसीपी कर्नलगंज ने जांच कराई। जांच में चौकी इंचार्ज आदित्य बाजपेई और सिपाही विजय राज की भूमिका संदिग्ध पाई गई। इसके बाद दोनों को तुरंत निलंबित कर उनके खिलाफ स्न्ढ्ढक्रदर्ज कराई गई है। इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

साहब यहां 'कमाई के सामने लोगों जान की क्या औकात..?' जिम्मेदारों पर कार्यवाही यहां नहीं होती...यहां होता है जनता की जान का सौदा

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर- कानपुर वासियों...अगर आपके ऊपर कल कोई छत गिर जाए, तो आप " हाय-हाय" मत करिएयेगाज क्योंकि कानपुर विकास प्राधिकरण (KDA) के अफसर सब कुछ जानकर भी अंजान बने बैठे हैं। यहाँ जनता की जान की कीमत, KDA के 'कमाऊ पूतों' की कमाई वाली सीट से कहीं कम आँकी जाती है! अगर आपकी जान चली भी जाए तो परेशान मत होइएगा. क्योंकि यहाँ तो अफसर जानबूझकर भी बने बैठे हैं अनजान! यहाँ जान की नहीं, "कमाई की कीमत" लगती है जनाब! और जब बात हो केडीए के 'कमाऊ पूतों' की...तो फिर ईट-सीमेंट नहीं, नोटों की दीवार खड़ी की जाती है!

बताते चलें कि जोन 3 बर्रा के हरदेव नगर जहाँ मनोज पाल जो BL स्मारक इंटर कॉलेज चलाते हैं, वो स्कूल की तीन मंज़िला इमारत बनवा रहे थे –बिना नक्शा पास कराए, बिना पिलर, पतली सरिया और अधिकारियों की " मौन सहमति" के साथ बीएल स्मारक इंटर कॉलेज के नाम से पहले से ही संचालित था लेकिन निर्माण में जो मानकों की बलि चढ़ी, वो किसी भी तरह "स्मारक" के लायक नहीं थी। बीते सोमवार की रात, तीसरी मंज़िल की ढलाई के दौरान, दूसरी मंज़िल के कॉलम दरक गए, शटरिंग टूटी, बल्लियाँ हटीं और तीसरी मंज़िल का हिस्सा भरभराकर गिर गया उस दौरान 13 मज़दूर काम कर रहे थे। तीसरी मंजिल की छत गिर गई, नहीं नहीं... सिर्फ छत नहीं गिरी...गिरा है लोगों का भरोसा... कानपुर विकास प्राधिकरण यानी च्छ्ष्ठ के उन ज़िम्मेदारों पर, जिन्हें ना मानकों की परवाह है, ना मजदूरों के जान की...छत गिरने से मजदूर श्रवण कुमार के दोनों पैर दब गए, धीरू किसी तरह जान बचाकर भाग निकला, 13 मजदूरों की सांसें अटकी रहीं और KD के ज़िम्मेदार वो तो मौके पर नज़र भी नहीं आए...!

क्यों भाई...? क्या ये आपके क्षेत्रीय जेई रामदास और सुपरवाइजर राजेन्द्र कुमार का "कमाई का प्रोजेक्ट" था? बिल्डिंग बिना पिलर के बनाई जा रही थी... छत में बारीक, कमजोर सरिया...और KDA वाले... मूकदर्शक नहीं, सार्थक भागीदार बने बैठे थे..! सूत्रों की मानें तो निर्माण की मंजूरी तो दूर, मानक से कोई वास्ता ही नहीं रखा गया था। लेकिन पूछिए मत... जेई साहब और सुपरवाइजर जी की जेबें गरम थीं, तो निर्माण भी 'गरमागरम' ही चलेगा! हादसे के बाद पहुंचे ADM सिटी राजेश कुमार, मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा...उन्होंने जांच का भरोसा दिलाया... लेकिन जिन च्छ्ष्ठ अफसरों की आंख के नीचे यह सब हुआ, वे कहीं नज़र तक नहीं आए... शायद कोई ÷अन्य जरूरी मीटिंग÷ में व्यस्त रहे होंगे.. या फिर किसी नए कमाऊ प्रोजेक्ट का ब्लूप्रिंट तैयार कर रहे होंगे...। अब सवाल ये है कि क्या इस हादसे के बाद भी कमाऊ पूत रामदास और राजेन्द्र कुमार पर होगी कोई कार्रवाई...? या फिर फिर से वही पुराना ड्रामा - "जांच होगी", "तथ्य सामने लाए जाएंगे", और फिर सबकुछ... फाइलों में दफन... और नोटों में संतोषजनक...! कानपुर में विकास नहीं, 'विकास का दिखावा' हो रहा है, जहाँ च्छ्ष्ठ खुद 'विकास के विध्वंसक' बन चुके हैं। अगर अब भी जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो समझ लीजिए - केडीए अब सिर्फ "कमाई वाला प्राधिकरण" बन चुका है, ना कि "कानपुर के सपनों को साकार करने वाला विभाग"। जनता की जान जाए भाड़ में, लेकिन जेई साहब की कमाई वाली सीट बची रहनी चाहिए! क्योंकि यहाँ अफसरों की नज़र में "पब्लिक की जान से ज्यादा कीमती होती है... कमाऊ पूत की कमाई!" हालांकि इस प्रकरण पर कार्यवाही के संबंध में बात करने के लिए जोन 3 के प्रवर्तन प्रभारी (OSD) अजय कुमार से जब पंजाब केसरी संवाददाता ने बात करने का प्रयास किया तो उन्होंने फोन उठाना मुनासिब नहीं समझा शायद उनके पास किसी तरह का कोई जवाब नहीं होगा या फिर शायद जवाब देने से बच रहे हो....।

शिलांग हत्याकांड- मुख्य आरोपी राज कुशवाहा की दादी का निधन

स्वतंत्र प्रभात

शिलांग में इंदौर निवासी राजा रघुवंशी नामक कारोबारी की हत्या की साजिश रचने के मुख्य आरोपी राज कुशवाहा की बुजुर्ग दादी की बुधवार को दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। राज की दादी रामलली (74) की फतेहपुर जिले के गाजीपुर के रामपुर गांव में अपने घर पर मौत हो गई। उनके पति दरबारी सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि राजा रघुवंशी की हत्या में मुख्य आरोपी के तौर पर राज का नाम सामने आने के बाद से ही रामलली अपने पोते का बचाव कर रही थी। सिंह ने बताया कि रामलली का दावा था कि राज निर्दोष है और उसे राजा रघुवंशी हत्याकांड में फंसाया गया है। राज का नाम सोनम के प्रेमी के तौर पर सामने आया था। सिंह ने कहा कि हमें पता चला कि राज का इंदौर की सोनम रघुवंशी के साथ प्रेम संबंध था।

दादी रामलली का दावा—राज निर्दोष, सोनम फंसा रही है

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, सोनम की शादी राजा रघुवंशी से हुई थी, जिसकी उसने कथित तौर पर राज और अन्य लोगों की मदद से हत्या कर दी थी। करीब एक सप्ताह पहले रामलली मीडिया के सामने आई थी और अपने पोते को निर्दोष बताते हुए उसका बचाव किया था। रामलली ने कहा था कि राज का कभी किसी से संबंध नहीं रहा। सोनम ने अपने पति की हत्या करवा दी और राज को इसमें घसीट रही है।

शादी के 12 दिन बाद शिलांग में लापता हुआ राजा, 2 जून को मिला शव

राजा रघुवंशी हत्याकांड पर जवाब देते हुए रामलली ने कहा था कि वे बहुत बड़े ताकतवर लोग हैं, वे कुछ भी कर सकते हैं। राज इंदौर के गोविंद नगर खर्चा क्षेत्र में रहने वाली सोनम के परिवार के फर्नीचर शीट कारखाने में अकाउंटेंट के तौर पर काम करता था। पिछली 11 मई को इंदौर में शादी के बाद राजा रघुवंशी और सोनम हनीमून के लिए मेघालय के शिलांग गए थे। वे 23 मई को नोंगरियाट गांव में एक होमस्टे से चेक आउट करने के कुछ घंटों बाद गायब हो गए थे जहां से दो जून को राजा का शव मिला था।

गलत नीतियों का नतीजा है दुनिया भर में पसरा आतंकवाद

आतंकवाद के खात्मा की बात सभी करते हैं लेकिन सब देशों का आतंकवाद पर नजरिया अपना अपना स्वार्थ के कारण अलग-अलग है यही वजह है कि आतंकवाद दुनिया भर में पसर रहा है। आतंकवाद से सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के अधिकतर देश प्रभावित है। यही कारण है कि सभी वैश्विक मंचों से आतंकवाद से निपटने को लेकर एकजुटता दिखायी जाती है और अधिकतर देश आतंकवाद को खत्म करने को लेकर प्रतिबद्धता दोहराता है। मगर आतंकवाद को लेकर यह प्रतिवद्धता सिर्फ दिखावा से ज्यादा कुछ नहीं है, क्योंकि अधिकतर देश और एजेंसियां स्वार्थ से वशीभूत होकर आतंकवाद को लेकर दोहरी नीति अपनाते हैं। इसमें सिर्फ आतंकवाद को पोषित और बढ़ावा देने वाले देश ही शामिल नहीं है, बल्कि अमेरिका और बीन जैसे देश भी शामिल है। यही कारण है कि विकास और शांति के लिए आतंकवाद आज सबसे बड़े खतरे के रूप में सामने है। हालांकि इसके बावजूद वैश्विक मंचों से भारत हमेशा ही आतंववाद को लेकर अपनी बात रखता है और दुनिया को सतर्क करता है। एक बार फिर से कनाडा के कनानास्किस में आयोजित जी-7 आउटरीच सत्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की सख्त नौति को दोहराया और इस वैश्विक खतरे के खिलाफ एकजुट होकर निर्णायक कार्रवाई की मांग की। जी-7 के वैश्विक मंच से पीएम मोदी ने आतंकवाद पर कड़ा रुख दिखाते हुए पहलगाम में हुए आतंकी हमले को भारत और मानवता पर हमला बताया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को इसकी कीमत चुकानी होगी। उन्होंने दुनिया से आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया और दोहरे मापदंडों से बचने की सलाह दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि आतंकवाद मानवता का दुश्मन है। यह लोकतांत्रिक मूल्यों का विरोध करता है। पीएम मोदी ने आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को चेतावनी दी और कहा कि वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए हमारी नीतियां स्पष्ट होनी चाहिए। अगर कोई भी देश आतंकवाद का समर्थन करता है, तो उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को पुरस्कृत किया जा रहा है। दुनिया अपनी पसंद के अनुसार प्रतिबंध लगाने में जल्दी करती है। वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए दुनिया की सोच और नीति स्पष्ट होनी चाहिए। सिर्फ इतना ही नहीं, भारतीय प्रधानमंत्री ने बिना नाम लिए आईएमएफ और एडीबी पर पाकिस्तान को कर्ज देने के लिए निशाना साधा। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि एक तरफ आतंकवाद का विरोध और दूसरी तरफ आतंकवाद का समर्थन करने वालों को पुरस्कृत करने की यह दोहरी नीति ठीक नहीं है। इस दोतरफा नीति को रोकना होगा। दरअसल 22 अप्रैल को पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने पहलगाम में आतंकी हमला किया था। इसके जवाब में भारत ने पाकिस्तान में ऑपरेशन सिंदूर चलाया। पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया गया। इस बीच, भारत की आपत्तियों के बावजूद आतंकवाद को समर्थन देने वाले पाकिस्तान को कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों से मदद मिल रही है। दोनों देशों के बीच तनातनी के बीच अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ ने पाकिस्तान को 8500 करोड़ रुपये का कर्ज मंजूर किया था। इतना ही नहीं, एक और अंतरराष्ट्रीय संस्था एशियाई विकास बैंक भी पाकिस्तान की मदद के लिए आगे आई। आई। भार भारत की आपत्तियों को दरकिनार करते हुए पाकिस्तान के लिए 800 मिलियन डॉलर यानी 6,000 करोड़ रुपये का लोन मंजूर कर दिया गया। इस घटना से भारत काफी नाराज हुआ। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी 7 की बैठक में बिना नाम लिए उस मुद्दे पर हमला बोला। इतना ही नहीं, अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने 'ग्लोबल साउथ 'को लेकर चिंता जताई और विश्व नेताओं से इस क्षेत्र पर ध्यान देने की अपील की। अगर देखा जाए तो यह पहली बार नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद पर दोहरी नीति नहीं अपनाने और दुनिया के देशों को एकजुट होने की बात कहीं है। हमेशा से ही वैश्विक मंचों से आतंकवाद को दुनिया को सचेत करते आ रहे हैं। मगर दुःखद बात है कि दुनिया के कई देश आतंवाद को लेकर दोहरी नीति अपना रहे हैं, जिसमें चीन की नीति जगजाहिर है। वह हमेशा से से आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान का साथ देता आ रहा है। अगर बात अमेरिका की की जाए, तो वह भी हमेशा से ही इसी राह पर चलता है, लेकिन दिखावे के लिए आतंवाद पर कार्रवाई की बात जरूर करता है। 26/11 को घटना के बाद दुनिया में यह माहौल बना था कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका सबसे आगे रहेगा। लेकिन, पिछले कुछ समय में ऐसी कई चीजें देखने को मिली हैं, जिससे साफ हो चुका है कि दुनिया का सुपरपावर समझने वाला अमेरिका आतंकवाद के मामले में भी निहित स्वार्थ में डूबा हुआ है। उसे सिर्फ उन आतंकियों से दुश्मनी है, जिससे उसके अपने हित प्रभावित हो रहे हैं। बाकी आतंकवाद को राष्ट्रीय नीति के तौर पर चलाने वाला पाकिस्तान जैसा देश ही क्यों न हो, अमेरिका उनके साथ खड़ा रहेगा। आतंकवाद के मसले पर अमेरिका की दोहरी नीति की सबसे बड़ी पोल उसके सेंट्रल कमांड के चीफ जनरल माइकल कुरिला के एक बयान से खुली है। उन्होंने आतंकवाद से लड़ने में पाकिस्तान को एक 'वैल्यूएबल पार्टनर 'बताया है। यहां तक कि उन्होंने आतंकी संगठनों से निपटने के लिए पाकिस्तान के साथ सहयोग बढ़ाने की बात कही है। अमेरिकी सीनेट कमेटी के सामने जनरल कुरिला ने कहा कि आईएसआईएस पाकिस्तान अफगानिस्तान बॉर्डर के आदिवासी इलाकों में एक्टिव है। ऐसे में उसके लिए पाकिस्तान की भूमिका और भी अहम हो जाएगी। अमेरिका के एक बड़े अधिकारी ऐसे समय में पाकिस्तान के साथ आतंकवाद पर अपनी तालमेल का महिमामंडन कर रहे हैं, जब पहलगाम आतंकी हमले में जनरल असीम मुनीर की भूमिका का पर्दाफाश हो चुका है। पाकिस्तानी सेना के इसी चीफ के भड़काऊ बयान के हफ्ते भर बाद ही पहलगाम की बैसरन भाटी को पाकिस्तानी आतंकियों ने 26 भारतीय और एक विदेशी नागरिक का धर्म पूछकर उनके खून से लाल कर दिया। मतलब, माइकल कुरिला ने जो कुछ कहा है और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो रवैया दिखाया है, उससे कम से कम आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका से कोई उम्मीद करना बेमानी है। आतंकवाद पर अमेरिका और दुनिया के कुछ और ताकतवर देशों का दोहरा चरित्र संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी उजागर हो चुका है। पाकिस्तान ने जून की शुरुआत में सुरक्षा परिषद की दो महत्वपूर्ण सहायक निकायों में गैर-स्थायी सदस्य के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका हासिल की है। यह उपलब्धि उसे ऑपरेशन सिंदूर के लगभग एक महीने बाद मिली है। अमेरिका को ही नहीं, पूरी दुनिया को पता है कि विश्व का अब तक का सबसे खौफनाक माना जाने वाला अलकायदा का आतंकी ओसामा बिन लादेन 26/11 के बाद पाकिस्तानी सेना की देखरेख में उसी की धरती पर आराम फरमा रहा था और अमेरिका ने उसे ठिकाने लगाया था। लेकिन, आतंकवाद को संरक्षण देने वाले देश को आतंकवाद रोकने के लिए बनी समिति का उपाध्यक्ष बना दिया गया और अमेरिका और उसके सहयोगियों ने शुतुरमुर्ग की तरह अपना मुंह छिपाए रखा। स्पष्ट है कि आतंकवाद पर दुनिया के देश अपने सुविधा के अनुसार नीति अपना रहे हैं इसलिए दुनिया से आतंकवाद को समाप्त करने में खुद ही बाधा डालते हैं। ऐसे हालात में आतंकवाद को नियंत्रित या समाप्त करना टेड़ी खीर है।

मनोज कुमार अग्रवाल

नोबेल शांति पुरस्कार- ट्रंप का बेमिसाल तमाशा

क्या आपने कभी सोचा कि नोबेल शांति पुरस्कार अब मांगने से भी हासिल हो सकता है? हाँ, बिल्कुल सही सुना। और अगर वह शख्स डोनाल्ड ट्रंप हो, तो यह मांग कोई मामूली चीख नहीं, बल्कि एक जोरदार आतिशबाजी का शंखनाद है। अभी-अभी अमेरिका के राष्ट्रपति ने मंच पर ऐसा तूफान मचाया कि दुनिया दंग रह गई - "मैं कुछ भी कर लूं, मुझे शांति का नोबेल नहीं मिलेगा!" अरे वाह, युद्ध की आग भड़काने वाला शांति का तमगा मांग रहा है - इससे बड़ा करामाती करिश्मा और क्या हो सकता है? ट्रंप साहब की यह ख्वाहिश इतनी शानदार है कि हर कोई ठहाका मारकर हंस पड़े, क्योंकि यह उनके अटूट आत्ममोह का एक और गगनचुंबी प्रदर्शन है। ट्रंप का दावा है कि भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध रोकने की उनकी ÷बातचीत÷ नोबेल के काबिल है। वाह, क्या जबरदस्त ड्रामा है! बातचीत क्या थी, यह तो भारत-पाकिस्तान भी ढूंढ रहे हैं, पर ट्रंप जी को गर्व है कि उनकी एक-दो लाइनें इतिहास की चमकदार इबारत बन गईं। पर भाई, यह कौन सा शांति का जादू था, जिसमें उन्होंने किम जोंग उन को "रॉकेट मैन" कहकर दुनिया को परमाणु जंग के मुहाने पर ला खड़ा किया? शायद उनकी नजर में शांति का मंत्र है - डराओ, धमकाओ, और फिर पुरस्कार लूटो। पर नोबेल कमेटी उनके ट्वीट्स को शांति का ठेका नहीं मानती - अफसोस, उनका खेल फ्लॉप हो गया। यह पहली बार नहीं जब ट्रंप ने खुद को पुरस्कार का बादशाह घोषित किया। राष्ट्रपति बनने से पहले वे अमेरिका के सबसे "ज्ञानी", "ईमानदार" और "अद्भुत" नायक थे, और अब नोबेल को अपनी जेब का खिलौना समझते हैं - "जल्दी निकालो और मुझे सौंप दो!" उनकी शिकायत है कि मीडिया उनके सम्मान को नजरअंदाज करती है। उन्हें लगता है कि एक-दो देशों के बीच "फोन पर डांट" से दुनिया उनके पैरों पड़ जाएगी। पर नोबेल कमेटी उनके रैली-भाषणों की तालियों को नहीं गिनती, न ही उनके शोरगुल भरे ट्वीट्स को शांति का सर्टिफिकेट देती है।

ट्रंप ने बराक ओबामा पर भी तीखा वार किया। उनका तंज है कि 2009 में ओबामा को शांति का नोबेल मिला, जबकि उन्होंने "कुछ किया ही नहीं।" अरे भाई, ट्रंप साहब को कौन बताए कि शांति का मतलब सिर्फ फोन पर दो नेताओं को झाड़ना नहीं, बल्कि दिल से काम करना है। ओबामा तो शांति के प्रतीक जैसे थे, पर ट्रंप के ट्वीट्स में "फायर एंड फ्यूरी" की आग झलकती है। शायद ट्रंप को लगता है कि उनके सुनहरे बाल ही शांति का चमत्कार हैं - वाह, क्या स्टाइल है! इस तमाशे का सबसे धमाकेदार पल यह है कि ट्रंप को लगता है कि पुरस्कार न मिलने की वजह उनका नाम, उनका रंग, या फिर "कट्टरता के खिलाफ साजिश" है। उन्होंने तो डंके की चोट पर कह दिया - "मैं कुछ भी कर लूं, मुझे नहीं मिलेगा!" यह सुनकर नोबेल कमेटी शायद पहली बार जोर से हंसी होगी - "वाह, कम से कम किसी का आत्मविश्वास तो आसमान छू रहा है!" ट्रंप

की नोबेल की यह लालसा एक लाजवाब व्यंग्य बन गई है। एक ऐसा शख्स जो अपनी बातों को अगले दिन भूल जाए, जो पर्यावरण संधियों को ठुकराए, जो हर मंच पर "अमेरिका फर्स्ट" चिल्लाए और दुनिया को किनारे कर दे, वही अब शांति का महानायक बनने की होड़ में है! अगर नोबेल में "राजनीतिक अहंकार" या "प्रचार का विश्व विजय अभियान" जैसी श्रेणी होती, तो ट्रंप बिना मुकाबले के बादशाह होते। पर दुखद सच्चाई यह है कि नोबेल शांति पुरस्कार ट्वीट्स की गूंज या रैली की भीड़ पर नहीं, बल्कि सच्चे शांति प्रयासों पर मिलता है। ट्रंप साहब की यह चाहत तो वैसी ही है जैसे बिना पसीना बहाए ताज पहनने की मस्ती - बस मंच पर चीखो और पुरस्कार की आस लगाओ! शांति एक अलौकिक प्रक्रिया है, कोई प्रचार का सामान नहीं। अगर ट्रंप साहब वाकई शांति के लिए कुछ करना चाहते हैं, तो दुनिया खुद उनकी तारीफ करेगी - कहने की जरूरत नहीं पड़ेगी। पर उनके मौजूदा रवैये से तो यही जाहिर होता है कि नोबेल उनके लिए सिर्फ एक और शोपीस है, जिसे वे दीवार पर टांगकर "मैंने कहा था" का जलसा मनाना चाहते हैं। और हाँ, अगर कभी नोबेल उन्हें मिल भी गया, तो कृपया ट्विटर पर मत लिखिएगा - "मैं हमेशा जानता था कि यह मेरा हक है!" हम पहले से जानते हैं, आपका आत्मविश्वास तो नोबेल को भी शरमा देगा! तो ट्रंप साहब, नोबेल मांगने से नहीं, शांति के रंग में रंगने से मिलता है। अब या तो शांति का असली रास्ता अपनाएं, या फिर अपने चमकते बालों को नोबेल का विकल्प मानकर तसल्ली कर लें - क्योंकि नोबेल कमेटी आपकी "शांति" को अभी तक गंभीरता से लेने को तैयार नहीं। और अगर फिर भी कोशिश करनी है, तो कम से कम ट्वीट्स की जगह शांति की मिसाल कायम करें - वरना यह तमाशा और भी जोरदार हो जाएगा।

प्रो. आरके जैन

दैनिक राशिफल

ज्योतिष सेवा केन्द्र लखनऊ
डॉ.कौशलेन्द्र पाण्डेय जी

मेष-आज यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कारोबारी सौदे बड़े हो सकते हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा, सावधानी रखें।

वृष-आज फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचित व्यक्तियों पर अंधविश्वास न करें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय होगी। संतुष्टि नहीं होगी।

मिथुन-आज नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। आशंका-कुशंका रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कर्क-आज उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। बड़ा काम करने का मन बनेगा। झंझटों से दूर रहें। कानूनी अड़चन का सामना करना पड़ सकता है। फालतू खर्च होगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। जोखिम बिलकुल न लें।

सिंह-आज कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता बनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। निवेश लाभदायक रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यस्तता रहेगी।

कन्या-आज दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। फालतू बातों पर ध्यान न दें। मेहनत अधिक व लाभ कम होगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। शत्रुओं की पराजय होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

तुला-आज पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। समय की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। अपने काम पर ध्यान दें। लाभ होगा।

वृश्चिक-आज बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे। निवेश शुभ फल देगा। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी, ध्यान रखें।

धनु-आज कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद में न पड़ें। अपेक्षाकृत कार्य समय पर होंगे। प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यस्तता रहेगी। प्रमाद न करें।

मकर-आज घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। आय में निश्चितता रहेगी। शत्रुभय रहेगा।

कुंभ-आज व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा। व्यर्थ समय न गंवाएं। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें। निवेश शुभ रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मीन-अच्छा पुराना रोग उभर सकता है। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में सुख-शांति रहेगी। जल्दबाजी न करें ।

संपादकीय

त्योहार अब सेल्फी का विषय बन गए हैं — सांस्कृतिक परंपराओं की आत्मा कहां गई?

भारत एक ऐसा देश है जहां हर महीने कोई न कोई पर्व दस्तक देता है। यह पर्व न केवल धर्म और आस्था के प्रतीक हैं, बल्कि वे सामाजिक मेल-जोल, सांस्कृतिक एकात्मता और भावनात्मक पुनःस्मरण का भी माध्यम रहे हैं। वर्षों से हमारी परंपराएं पीढ़ियों को जोड़ने वाली पुल बनी हुई थीं जहां एक हाथ में दीपक होता था और दूसरे में किसी अपने का हाथ। आज वही पर्व, वही परंपराएं जैसे किसी इंस्टाग्राम लाइव में सिमट गई हैं। न आत्मा का भाव बचा, न साझा उल्लास बच गई तो बस एक पर्फेक्ट सेल्फी की तलाश।त्योहार अब केवल एक दिन की इवेंट बनते जा रहे हैं सजावट के लिए बुकिंग, कपड़े के लिए ब्रांड, पकवान के लिए ऑर्डर और चेहरे के लिए मेकअप आर्टिस्ट। पहले त्योहार मनाए जाते थे, अब उन्हें प्रोजेक्ट की तरह e&ecute किया जाता है। पहले दीवाली का मतलब था घर की सफाई, मिट्टी के दीये, परिवार का साथ और स्नेहिल भेटें। आज दीवाली का मतलब हो गया है थीम-आधारित डेकोर, मोबाइल लाइट्स, इंस्टाग्राम स्टोरीज़ और U Happy Diwali from me and mine जैसा कैप्शन। कभी होली के रंग गालों पर उतरते थे और दिलों में घुलते थे। अब रंग चेहरे से पहले कैमरे में उतरते हैं। वो जो रावण के जलते पुतले के साथ हमारे भीतर का अहंकार भी भस्म हो जाता था अब वह केवल ड्रोन व्यू वीडियो में नजर आता है। गणेश विसर्जन में जो भक्ति और भावनाओं की लहरें उठती थीं, आज वे ट्रेंडिंग वीडियो की बाढ़ में डूब गई हैं।त्योहारों का लोक से लुक की ओर जाना, केवल रूपांतरण नहीं है, यह एक गंभीर सांस्कृतिक संक्रमण है। इसमें हमने न केवल सामूहिकता खोई है, बल्कि आत्मीयता और संवेदनशीलता जैसी मूल्यगत निधियों को भी तज दिया है। पहले पर्वों में घर के बुजुर्ग केंद्र होते थे वे त्योहारों की कहानियों, रीति-रिवाज़ों और मूल्यों के वाहक थे। आज वही बुजुर्ग कैमरे के फ्रेम से बाहर रख दिए जाते हैं क्योंकि वाइब नहीं आ रही होती। हमारी परंपराओं में त्योहार केवल आनंद का अवसर नहीं थे, वे शिक्षाओं से भरे अध्याय थे। रक्षाबंधन केवल बहन-भाई का पर्व नहीं था, वह कर्तव्य और संरक्षण के सिद्धांत का प्रतीक था। मकर संक्रांति केवल तिल-गुड़ खाने की तिथि नहीं थी, वह ऋतु परिवर्तन के साथ जीवन शैली में संतुलन का संदेश थी। नवरात्र केवल देवी की आराधना नहीं थी, वह स्त्री शक्ति के सम्मान और आत्मबल की अभिव्यक्ति थी। लेकिन जब इन सभी अर्थों को हम फोटोशूट की पृष्ठभूमि बना देते हैं, तो क्या वास्तव में हम कुछ बचा पा रहे हैं? यह भी कटु सत्य है कि तकनीक ने हमारी ज़िंदगी को सुविधाजनक तो बनाया है, लेकिन उसने त्योहारों की सहजता को जटिल भी बना दिया है। आज हर समारोह, हर परंपरा सोशल मीडिया पर कंटेंट बन गई है। कुछ लोगों के लिए तो यह इतना महत्वपूर्ण हो गया है कि त्योहार मनाने से पहले कैमरा सेट किया जाता है। भावनाएं वास्तविक नहीं, बल्कि प्लांड होती हैं। लोग उत्सव की तैयारी कम, पोस्ट की रणनीति अधिक करते हैं। पर क्या हम यह भूल नहीं रहे कि त्योहारों का असली सौंदर्य उस क्षण में होता है जो कैमरे में कैद नहीं हो सकता? दादी के हाथ की खीर की वह मिठास, जो सिर्फ स्वाद नहीं, स्नेह की अनुभूति है मां के साथ रसोई में बिताए वे क्षण, जो पीढ़ियों की परंपरा से जुड़ने का जरिया बनते हैं इन्हें कोई ऐप, कोई फिल्टर पुनः नहीं बना सकता। त्योहारों की आत्मा को बचाना केवल संस्कृति की रक्षा नहीं है, यह आत्मा की रक्षा है। यह पीढ़ियों के बीच आत्मिक संवाद को बनाए रखने की जिम्मेदारी है। हमारे त्योहारों में केवल खुशी नहीं, बल्कि संघर्षों की स्मृति, बलिदानों का आदर्श और नैतिक मूल्यों की पुनर्पुष्टि भी छिपी होती है। अगर हम केवल बाहरी चकाचौंध पर टिके रहे, तो आने वाली पीढ़ियों के पास त्योहार शब्द होगा, पर उसका कोई अर्थ नहीं होगा। हमें फिर से त्योहारों को उनके वास्तविक अर्थों में जीने की आवश्यकता है। उन्हें डिजिटल प्रदर्शन से बाहर निकाल कर आत्मीय अनुभव में बदलना होगा। यह ज़रूरी नहीं कि हर पल साझा किया जाए, कुछ पल सिर्फ जिए जाएं। त्योहारों की परंपरा को पुनर्जीवित करने के लिए हमें बच्चों को केवल नए कपड़े नहीं, पुराने किस्से भी देने होंगे। उन्हें मोबाइल से नहीं, हमारी उपस्थिति से जोड़ना होगा।त्योहारों की सुंदरता कैमरे के फ्रेम में नहीं, आंखों में उतरने वाले उस आलोक में है जो प्रेम, अपनापन और संस्कृति के भाव से उत्पन्न होता है। हमें यह तय करना है कि हम आने वाली पीढ़ियों को क्या देना चाहते हैं कुछ सुंदर तस्वीरें या कुछ गहराईपूर्ण अनुभव?क्योंकि यदि हमारी अगली पीढ़ी त्योहारों को केवल एक सोशल मीडिया इवेंट मानकर जीने लगेगी, तो वह न परंपराओं को समझ पाएगी, न उनसे जुड़ पाएगी। और जब परंपराएं केवल दिखावे का माध्यम बन जाएं, तो वे धीरे-धीरे मरने लगती हैं मौन, पर स्थायी रूप से।

हंसराज चौरसिया

नशा - खामोश जहर, बिखरता जीवन- किस ओर जा रहे हैं हम?

[छूटते हाथ, टूटते घर, बुझती आँखें- नशे की असल कीमत]

अगर कोई ज़हर मुस्कुराहट के साथ परोसा जाए, तो क्या वह कम घातक हो जाएगा? नहीं। फिर क्यों समाज में नशे को कभी तनाव का इलाज, कभी स्टाइल का हिस्सा, और कभी दोस्तों की 'मस्ती' का नाम देकर सामान्य बना दिया गया है? नशा आज एक आदत नहीं, एक सुनियोजित आत्मघाती योजना बन चुका है, जो हर दिन लाखों ज़िंदगियों की नींव को चुपचाप खोखला कर रहा है। हर साल 26 जून को जब दुनिया अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस मनाती है, तो सवाल सिर्फ इतना नहीं कि हम इसके खिलाफ कितनी बातें कर रहे हैं–बल्कि यह है कि क्या हम इसके खिलाफ सच में खड़े हो रहे हैं? यह दिन केवल एक तारीख नहीं, बल्कि एक जागृति का आह्वान है–एक ऐसी क्रांति की शुरुआत, जो नशे की जड़ों को उखाड़ फेंके और समाज को उसकी चपेट से मुक्त करे।

नशे की त्रासदी केवल इसके शारीरिक या मानसिक नुकसान तक सीमित नहीं है; इसकी असली ताकत उस सामाजिक स्वीकार्यता में है, जो इसे धीरे-धीरे हमारे जीवन में घुसने देती है। स्कूल के किशोर से लेकर कॉरपोरेट ऑफिस में काम करने वाले प्रोफेशनल तक, नशा अब एक 'पर्सनल चॉइस' का लबादा ओढ़ चुका है। संयुक्त राष्ट्र की 2023 की विश्व ड्रग रिपोर्ट के अनुसार, विश्व भर में लगभग 29.6 करोड़ लोग नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं, और यह संख्या हर साल बढ़ रही है। भारत में स्थिति और भी चिंताजनक है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) और अन्य सर्वेक्षणों के अनुसार, भारत में 15 से 34 वर्ष की आयु के बीच के लाखों युवा नशे की चपेट में हैं। इनमें से कई स्कूली बच्चे और कॉलेज छात्र हैं, जो ड्रग्स, शराब, और तंबाकू के जाल में फंस रहे हैं। क्या यह महज संयोग है, या हमारी सामाजिक और शैक्षिक व्यवस्था की विफलता?

नशे की यह महामारी केवल एक व्यक्ति की कमजोरी नहीं है; यह एक सामाजिक संरचना की खामी है। जब नशा 'कूल' होने का पर्याय बन जाता है, जब फिल्मों में सिगरेट का धुआं या शराब का ग्लास 'हीरोइज्म' का प्रतीक दिखाया जाता है, तो हमारी युवा पीढ़ी को गलत संदेश मिलता है। आज का युवा नशे को स्टेटस, स्टाइल, और स्वतंत्रता से जोड़ता है। यह एक ऐसी भ्रांति है, जो न केवल व्यक्तिगत जीवन को बर्बाद करती है, बल्कि पूरे समाज के नैतिक और सांस्कृतिक ढांचे को कमजोर करती है। नशा केवल शरीर को नहीं खोखला करता; यह सपनों, रिश्तों, और आत्मविश्वास को भी नष्ट करता है। एक नशेड़ी न केवल अपनी जिंदगी को जोखिम में डालता है, बल्कि अपने परिवार और समाज पर भी एक बोझ बन जाता है।

नशे के पीछे कई कारण गिनाए जाते हैं–तनाव, बेरोजगारी, सामाजिक दबाव, या फिर दोस्तों का प्रभाव। लेकिन क्या हमने कभी यह पूछा कि हमारी व्यवस्था इस समस्या को रोकने में कितनी नाकाम रही है? नशा विरोधी कानून, जैसे नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट (एनडीपीएस), 1985, भारत में मौजूद हैं, लेकिन इनका प्रभावी कार्यान्वयन कहाँ है? स्कूलों में नशे के खिलाफ जागरूकता के नाम पर साल में एक बार भाषण या पोस्टर प्रतियोगिता करवा दी जाती है, लेकिन क्या यह पर्याप्त है? ड्रग तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की कमी और नशे की आसान उपलब्धता इस समस्या को और बढ़ा रही है। उदाहरण के लिए, हाल के वर्षों में भारत में सस्ते और खतरनाक सिंथेटिक ड्रग्स, जैसे मेफेड्रोन (म्याऊं-म्याऊं), की तस्करी में वृद्धि हुई है। ये नशीले पदार्थ न केवल सुलभ हैं, बल्कि इनका प्रचार सोशल मीडिया और डार्क वेब के जरिए भी हो रहा है।

नशे का प्रभाव केवल शारीरिक या मानसिक नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक भी है। एक नशेड़ी व्यक्ति न केवल अपने स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को भी अस्थिर करता है। नशे की लत के कारण लोग अपनी नौकरी, शिक्षा, और सामाजिक प्रतिष्ठा खो देते हैं। परिवार टूटते हैं, बच्चे अनाथ होते हैं, और समाज में अपराध बढ़ता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग से होने वाली बीमारियों और अपराधों का वैश्विक आर्थिक बोझ अरबों डॉलर में है। भारत जैसे विकासशील देश में, जहाँ पहले ही संसाधनों की कमी है, नशे की यह महामारी एक और बड़ी चुनौती है।

इस समस्या का समाधान केवल सरकारी नीतियों या कानूनों तक सीमित नहीं हो सकता। इसके लिए एक सामूहिक प्रयास की जरूरत है, जिसमें हर व्यक्ति, हर परिवार, और हर समुदाय की जिम्मेदारी बनती है। माता-पिता को अपने बच्चों से खुलकर बात करनी होगी–न कि डर या ताने के साथ, बल्कि प्यार और विश्वास के साथ। शिक्षकों को चाहिए कि वे बच्चों के व्यवहार पर नजर रखें और उन्हें नशे के खतरों के बारे में शिक्षित करें। स्कूलों और कॉलेजों में नशा निषेध पर नियमित कार्यशालाएँ और काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाने चाहिए। सरकार को नशा तस्करी के खिलाफ सख्ती बरतनी होगी और नशामुक्ति केंद्रों की संख्या और गुणवत्ता बढ़ानी होगी।

मीडिया और सिनेमा की भूमिका भी अहम है। जब तक फिल्में और वेब सीरीज नशे को 'ग्लैमराइज' करती रहेंगी, तब तक युवाओं के दिमाग से यह भ्रांति नहीं निकलेगी कि नशा 'कूल' है। हमें ऐसी कहानियाँ और किरदारों को बढ़ावा देना होगा जो नशे के खिलाफ लड़ते हों, जो अपनी इच्छाशक्ति से इसे हराते हों। असली हीरो वही है, जो नशे की लत को ठुकराकर अपने सपनों को हकीकत में बदलता है। सामाजिक स्तर पर भी हमें नशे के शिकार लोगों को हाशिए पर धकेलने के बजाय, उन्हें मुख्यधारा में लाने की कोशिश करनी होगी। नशामुक्ति केंद्रों को केवल सुधार गृह नहीं, बल्कि पुनर्जनन के केंद्र के रूप में देखा जाना चाहिए। हमें यह समझना होगा कि नशा एक बीमार

संक्षिप्त खबरें

गौरी गांव में तस्करी के लिए रखा मटर व खाद बरामद

सिद्धार्थनगर। जिले के कपिलवस्तु कोतवाली क्षेत्र के चौकी बजहा अन्तर्गत ग्राम पंचायत पकड़ी उर्फ मुंडिला के ग्राम गौरी के मकान में तस्करी के लिए रखा 45बोरी मटर व पांच बोरी डीएपी खाद बरामद किया गया है। किसी ने जिलाधिकारी को सूचना दिया कि कोतवाली क्षेत्र के गौरी सीमा पर तस्कर भारी मात्रा में तस्करी के सामान रखे है। मंगलवार मध्य रात्रि में जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला कृषि अधिकारी मुहम्मद मुजम्मिल, तहसीलदार, एसएसबी, मंडी सचिव मौके पर छापे मारी किया। एक मकान में ताला लगा हुआ था।जिसे सील कर चले गए। बुधवार को टीम मौके पर पहुंची, सील तोड़ा गया। जिसमे 45 बोरी ब्राजीली मटर व पांच बोरी डीएपी खाद बरामद हुआ। पकड़े गए युवक की पहचान सर्वजीत साहनी पुत्र पंचम ग्राम सभा भरवालिया टोला भरवालिया थाना कपिलवस्तु के रूप में हुई। जिसे समान के साथ विधिक कार्यवाही करते हुए। एसएसबी, वा पुलिस ने कस्टम कार्यालय खुनुआ के लिए भेज दिया है। इस दौरान जिला कृषि अधिकारी मो मुजम्मिल, तहसीलदार सदर संत राज सिंह, एसएसबी कैम्प प्रभारी इंस्पेक्टर नीरज कुमार शर्मा, मंडी सचिव विजय सेन सिंह,सहायक कृषि अधिकारी सूरज कुमार, चौकी प्रभारी बजहा आनंदकुमार, राजस्वकर्मी विनय पांडेय, उपस्थित रहे।

आजाद इंटर कॉलेज में लगा नेत्र शिविर

महमूदाबाद क्षेत्र के सदरपुर आजाद इंटर कॉलेज में सीतापुर आंख अस्पताल द्वारा दिनांक 25 जून 2025 दिन बुधवार को नेत्र शिविर का आयोजन हुआ जिसमें सीतापुर आंख अस्पताल से आए डॉक्टर के द्वारा 120 मरीजों की आंखों की जांच निशुल्क की गई जांच के पश्चात उन्हें दवा व चश्मा दिया गया जिसमें 35 मरीजों को ऑपरेशन के लिए सीतापुर आंख अस्पताल ले जाया गया शिविर में डॉ0 कमल (एम एस) डॉ0 सुरेंद्र सिंह(पैरामेडिकल)डॉ0 हरनाम डॉ0 सजल आदि लोक मौजूद रहे।

गाजरी क्षेत्र में बाढ़ आपदा से बचाव के लिए 26 जून को होगा माकड्रिल का आयोजन

बिसवां/ सीतापुर गांजरी क्षेत्र में बाढ़ आपदा से बचाव के लिए मॉकड्रिल का आयोजन 26 जून को सुबह नौ बजे से विकास क्षेत्र रेउसा के चहलारी घाट पुल के निकट किया जाएगा। तहसीलदार उमाशंकर त्रिपाठी ने बताया कि तहसील बिसवां क्षेत्र अंतर्गत चहलारी घाट पुल के निकट मॉक एक्सरसाइज की जाएगी। यह माक ड्रिल अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व नितीश कुमार व उपजिलाधिकारी बिसवां मनीष कुमार के नेतृत्व में किया जायेगा 7 उन्होंने मॉकड्रिल के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि बाढ़ के दौरान नाव पलटने की स्थिति में लोगो को बचाने के लिए अभ्यास किया जाएगा। यह मॉकड्रिल तहसील की आपदा प्रबंधन तैयारियों का मूल्यांकन करेगी। तैयारियों में किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर उसे तुरंत दूर किया जाएगा। इस अभ्यास में सभी संबंधित विभाग सक्रिय रूप से भाग लेंगे। बाढ़ आपदा से बचाव के लिए मॉकड्रिल एक्सरसाइज के समय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, लोक निर्माण, पुलिस, अग्निशमन एवं इमरजेंसी सर्विस, विद्युत, राजस्व विभाग, एनडीआरएफ होमगार्ड समेत ग्राम प्रधान व स्कूल के बच्चें उपस्थित रहेंगे।

वृहद रोजगार मेले में 479 अभ्यर्थी हुए चयनित

अलीगढ़। बुधवार को एबीएस इलैक्ट्रीकल्स प्रा0लि0 डीडीयू-जीकेवाई सेन्टर, जलालपुर अलीगढ़ परिसर में क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, मॉडल कैरियर सेन्टर, राजकीय आईटीआई एवं एबीएस इलैक्ट्रीकल्स प्रा0लि0 के संयुक्त तत्वावधान में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले का शुभारम्भ एबीएस इलैक्ट्रीकल स्किल डीडीयू-जीकेवाई सेन्टर के मैनेजिंग डायरेक्टर महेश चन्द्र चौहान द्वारा किया गया। मेले में निजी क्षेत्र की 09 प्रतिष्ठित कंपनियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें कुल 588 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया और 479 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। इस अवसर पर अजय वर्धन आचार्य, क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू द्वारा प्रतिभागी युवाओं को कैरियर काउंसिलिंग प्रदान की गई, जिससे युवाओं को उनके भविष्य की दिशा तय करने में लाभ प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का समापन डा0 पीपीसी शर्मा क्षेत्रीय सेवायोजन अधिकारी अलीगढ़ मण्डल द्वारा किया गया।

बंदरों का आतंक- बलसिंह खेड़ा गांव में दहशत का माहौल

● बंदरों के हमले में किशोरी घायल, ग्रामीणों में आक्रोश।

स्वतंत्र प्रभात

विनीत कुमार मिश्रा

लखनऊ/ राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज ब्लॉक के बलसिंह खेड़ा गांव में बंदरों का आतंक फैला हुआ है। चार हजार से अधिक आबादी वाले इस गांव में बंदरों ने उत्पाद मचा रखा है और लोगों को काटकर जख्मी कर देते हैं। मंगलवार को एक किशोरी शिवानी (14) पर बंदरों के झुंड ने हमला बोल दिया और उसे बुरी तरह नोचकर घायल कर दिया।

ग्रामीणों ने प्रशासन से की कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने बताया कि इससे पहले भी तीन दर्जन से अधिक लोगों पर बंदरों ने हमला किया है, जिनमें अधिकांश बच्चे हैं। ग्रामीणों में बंदरों की दहशत बनी रहती है और वे अपने बच्चों को लेकर हमेशा चिंतित रहते हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से बंदरों से निजात पाने के

लिए गांव से पकड़कर किसी बड़े जंगल में छुड़वाने की मांग की है।

ग्रामीणों का जीवन हुआ दूभर

ग्रामीणों का कहना है कि बंदरों के आतंक से वे परेशान हैं और प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। उनका कहना है कि लोगों की रात की नींद और दिन का चैन दोनों छिन गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द बंदरों को पकड़कर गांव से बाहर किया जाए, ताकि वे अपने जीवन को सामान्य रूप से जी सकें।

घायल किशोरी का इलाज जारी

वहीं, घायल किशोरी शिवानी का इलाज

तेलीबाग स्थित एक निजी अस्पताल में चल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक प्रशासन बंदरों को पकड़कर नहीं छुड़वाता, तब तक गांव में स्थिति सामान्य नहीं हो सकती।

अर्जुनगंज सरसंवा सर्वहित व्यापार मंडल के द्वारा pwd व बिजली विभाग के अधिकारीयों के साथ बैठक व बाज़ार का निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के अर्जुनगंज सरसावा सर्वहित व्यापार मंडल के व्यापारियों ने प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार यादव की अगुवाई में पीडब्ल्यूडी व बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की, बैठक में अर्जुनगंज सरसावा क्षेत्र के व्यापारियों ने अधिकारियों को अपनी बाजार की दिक्कतों के बारे में अवगत कराया, उसके बाद बिजली विभाग की और पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से बाजार का निरीक्षण किया, व्यापारियों ने जहां-जहां पर जो- जो दिक्कतें थी अधिकारियों को दिखाई, व्यापरियों ने बताया की जगह जगह नाला बनने के बाद भी उनके बगल मिट्टी भराई का कम नहीं हुवा है, कही पर दुकान के सामने सड़क को खोद कर छोड़ दिया गया है, जिससे व्यापार प्रभावित हो रहा है, बिलजी विभाग ने काफी समय से ट्रांसफार्मर दुकान के आगे रखा है उसके चारों तरफ सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं की गयी है, पीडब्ल्यूडी व बिजली विभाग के अधिकारियों अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि जल्द ही बाज़ार की सभी समस्याओं का समाधान कर दिया जाएगा। व्यापारियों के साथ बैठक और निरीक्षण में सर्वहित व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार यादव, पीडब्ल्यूडी विभाग के XEN सतेन्द्र नाथ, AE सुनील सिंह, JE सरवन यादव, बिजली विभाग के

AE देवेन्द्र बहादुर सिसौदिया, JE अजीत सिंह, अर्जुनगंज सरसावा सर्वहित व्यापार मंडल के संरक्षक सिकंदर पल, अध्यक्ष प्रीतम मिश्रा, वीरेंद्र यादव, मंसूर अहमद, राजकुमार यादव, योगेश यादव, दीपांशु गुप्ता, दया खंडेलवाल, सुनील अग्रवाल, राहुल शुक्ला सहित भारी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

मोहर्रम को लेकर पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न, सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने का आह्वान

महमूदाबाद-सीतापुर आगामी मोहर्रम पर्व को शांति और सौहार्द के साथ सम्पन्न कराने के उद्देश्य से कोतवाली महमूदाबाद में पीस कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उप जिलाधिकारी वी एल सिंह क्षेत्राधिकारी महमूदाबाद वेद प्रकाश ने की, जबकि असिस्टेंट कोतवाल अरविंद कटियार, कस्बा इंचार्ज दीपक राठौड़ एवं नायब तहसीलदार दीक्षा शुक्ला की उपस्थिति में यह बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कस्बे के सम्मानित नागरिकों एवं समुदाय के प्रमुख लोगों ने भाग लिया और अपनी-अपनी समस्याएं तथा सुझाव अधिकारियों के समक्ष रखे। सभी समस्याओं को अधिकारियों ने ध्यानपूर्वक सुना और समाधान का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने साफ तौर पर कहा कि मोहर्रम के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, विवाद अथवा अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सभी समुदायों से आपसी सहयोग बनाए रखने की अपील की गई। इस अवसर पर अनवार हुसैन, इरफान मंसूरी, हाजी वसी अहमद, अनुज कुमार जैन, मनोज श्रीवास्तव, धीरेन्द्र मिश्रा,नदीम अहमद, इम्तियाज अहमद सहित अन्य सम्मानित नागरिक मौजूद रहे।

धोखाधड़ी करने वाले दो शातिर अपराधी गिरफ्तार

● महमूदाबाद पुलिस की बड़ी कामयाबी

स्वतंत्र प्रभात

महमूदाबाद- सीतापुर एसपी अंकुर अग्रवाल के निर्देशन में अपराधों पर नियंत्रण और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के चलते महमूदाबाद पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने दो शातिर धोखाधड़ी के आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से 31,320 की नगदी भी बरामद की गई है। एडिशनल एसपी उत्तरी आलोक सिंह के पर्यवेक्षण और सीओ महमूदाबाद के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए इमरान पुत्र अली हुसैन निवासी जाफरपुर, थाना सदरपुर और दिनेश कुमार पुत्र बहोरी लाल मिश्रा निवासी सिकटिहा, थाना रेउसा को गिरफ्तार किया है। विदित हो कि इनके विरुद्ध थाना महमूदाबाद में मुकदमा संख्या 234/2025, धारा 318(4), 111(3), 317(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। इनके पास से ?31,320 नगद बरामद हुए है। इनको पुलिस टीम के

उपनिरीक्षक अरुण कुमार, हेड कांस्टेबल विशाल गुप्ता, कांस्टेबल अखिलेश वर्मा और दीपक शुक्ला ने पकड़ा है, पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ इसी प्रकार की कार्रवाई चलती रहेगी।

डिप्लोमा छात्र के साथ धोखाधड़ी को लेकर निदेशक व प्राचार्य के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज, प्रतापगढ़। फार्मेसी डिप्लोमा को लेकर फर्जी अंक पत्र व कूटरचित प्रमाण पत्र निर्गत करने को लेकर लीलापुर पुलिस ने इंस्टीटयूट के निदेशक व प्राचार्य के खिलाफ धोखाधड़ी तथा जालसाजी व लाखों की धनराशि गड़प करने को लेकर गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। इंस्टीटयूट के निदेशक व प्राचार्य के खिलाफ केस दर्ज होने से बुधवार को इलाके में हडकंप मच गया। पडोसी जिले अमेठी के मुसाफिरखाना थाना के तोपखाना निवासी मोहम्मद अली पुत्र इरशाद अली ने एसपी को दी गई तहरीर में कहा है कि उसने बीते वर्ष 2022 में लीलापुर थाने के साहबगंज बाजार में संचालित प्रेमा देवी इंस्टीटयूट आफ पैरामेडिकल साइन्स एण्ड हास्पिटल में डी फार्मा के लिए दाखिला लिया। इंस्टीटयूट के द्वारा दो वर्ष के कोर्स के लिए पीड़ित छात्र से कई किश्तों में 144000 रूपये वसूल किया गया। कोर्स पूरा होने के बाद छात्र को कालेज द्वारा अंक पत्र व डिप्लोमा पत्र प्रदान हुआ। अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र में मध्य प्रदेश के सागर स्थित स्वामी विवेकानंद यूनिवर्सिटी का नाम देखकर छात्र चौक उठा। पीड़ित छात्र ने कालेज के निदेशक डॉ0 शैलेष मिश्र व प्राचार्य बृजेन्द्र कुमार मिश्र से इस बाबत जब पूछताछ की तब उसे इन लोगों ने बताया कि उनका कालेज मध्य प्रदेश की यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध है। पीड़ित छात्र ने तहरीर में कहा है कि प्रवेश के समय कालेज द्वारा उसे मिली विवरिणका में कालेज का सम्बद्धीकरण राज्य पैरामेडिकल फैकेल्टी लखनऊ से सम्बद्ध दर्शाया गया है। छात्र की पूछताछ से घबराये निदेशक व प्राचार्य ने उसे उत्तर प्रदेश फार्मेसी में काउंसलिंग कराने का भरोसा दिलाया। पीड़ित के मुताबिक इस पंजीयन हेतु भी उससे तीस हजार रूपये नकद जमा कराया गया। इस बीच पीड़ित छात्र को लखनऊ के गाजीपुर थाने से नोटिस में उसके प्रमाण पत्र फर्जी व कूटरचित होने की जानकारी दी गयी। तब पीड़ित छात्र ने जिले के एसपी डॉ0 अनिल कुमार से मिलकर आपबीती सुनाई। एसपी के निर्देश पर लीलापुर पुलिस ने आरोपी कालेज के निदेशक डॉ0 शैलेश मिश्र व प्राचार्य बृजेन्द्र कुमार मिश्र के खिलाफ कूटरचना व जालसाजी समेत गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। लीलापुर प्रभारी निरीक्षक अरूण सिंह का कहना है कि केस दर्ज किया गया

साथी के पिता के निधन पर अधिवक्ताओं ने जताया शोक

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज, प्रतापगढ़। साथी के पिता के निधन पर बुधवार को अधिवक्ताओं में शोक सभा कर न्यायिक कामकाज से विरत रहने का प्रस्ताव पारित किया। गोड़वा निवासी अधिवक्ता सुनील ओझा के पिता स्व0 दयाशंकर ओझा के निधन पर शोक सभा का आयोजन हुआ। इसमें अधिवक्ताओं ने शोक प्रस्ताव पारित करते हुए न्यायिक कामकाज से विरत रहने का निर्णय भी लिया। सभा की अध्यक्षता संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश व संचालन महामंत्री हरिश्चंद्र पाण्डेय ने किया। इस मौके पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष अम्बुज पाण्डेय, उपाध्यक्ष आशीष तिवारी, ज्ञानप्रकाश शुक्ल, टीपी यादव, केके शुक्ला आदि रहे। वहीं नगर के अवधेश विद्या निकेतन इण्टर कालेज में हुई शोक सभा में रिटायर्ड शिक्षक दयाशंकर ओझा के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। बैठक

की अध्यक्षता प्रधानाचार्य सुरेश सिंह ने किया। इस मौके पर आचार्य राजेश मिश्र, जमुना तिवारी, आचार्य त्रिवेणीधर शुक्ल, मनीष सिंह, रामसिंह, ज्ञानप्रकाश मिश्र आदि रहे।

स्वामी विवेकानंद सशक्तिकरण योजना- लखनऊ के कृष्णा कॉलेज में छात्रों को स्मार्टफोन वितरण का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज में स्थित कृष्णा कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट में स्वामी विवेकानंद सशक्तिकरण योजना के तहत एक महत्वपूर्ण आयोजन किया गया। इस अवसर पर बीबीए और बीकॉम (ऑनर्स) के छात्रों को स्मार्टफोन वितरित किए गए। कार्यक्रम में जिला प्रधान संघ अध्यक्ष देवेंद्र कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि तकनीकी आधारित शिक्षा में स्मार्टफोन का उपयोग छात्रों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इससे वे अपने विद्यार्थी जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ सकते हैं। मुख्य अतिथि देवेंद्र कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में तकनीकी ज्ञान के बिना आगे बढ़ना मुश्किल है। स्मार्टफोन के माध्यम से छात्र-छात्राएं अपने अध्ययन को और भी प्रभावी बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही इस योजना से छात्रों को बहुत लाभ होगा और वे अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकेंगे।

कार्यक्रम में डॉ. तेजल जे चतुर्वेदी, डॉ. अनुराग चतुर्वेदी और प्राचार्य डॉ. नीरज कुमार श्रीवास्तव भी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि देवेंद्र कुमार सिंह को अंग वस्त्र और मोमेंटो से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन राहुल सिंह ने किया और इसमें प्रो. जेनी डी., प्रो. अनुराग सिंह चौहान, डॉ. विशाल वर्मा और अन्य वरिष्ठ सदस्य भी शामिल हुए। इस अवसर पर छात्रों ने अपने विचार व्यक्त किए और स्मार्टफोन प्राप्त करने के बाद अपने अध्ययन को और भी प्रभावी बनाने के लिए उत्साहित दिखे।

कृष्णा कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट के प्राचार्य डॉ. नीरज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि यह आयोजन छात्रों के लिए एक बड़ा अवसर है। स्मार्टफोन के माध्यम से वे अपने अध्ययन को और भी प्रभावी बना सकते हैं और अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि कॉलेज द्वारा हमेशा छात्रों के हित में कार्य किया जाता है और आगे भी इसी तरह के आयोजन किए जाते रहेंगे।

मोहनलालगंज पुलिस की बड़ी कामयाबी बकरियां चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली के ग्रामीण इलाकों में इन दिनों बकरी चोरों का आतंक लोगों के लिए सिरदर्द बना हुआ था। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के दर्जनों गांवों में लगातार हो रही बकरी चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में भय और आक्रोश का माहौल था। इन घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए सक्रिय हुई मोहनलालगंज पुलिस को आखिरकार बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और सटीक सुरागों के आधार पर बकरी चोरी करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है।मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र ललूमर गांव निवासी विकास कुमार व रामप्रकाश ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि बीते सोमवार की रात में उनके घरों से अज्ञात चोर बकरियां चोरी कर ले गए। इस घटना की जानकारी मिलते ही मोहनलालगंज पुलिस हरकत में आई और तत्काल दो टीमें गठित कर दी गईं। पीड़ित के घर के पास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच करने पर चोरों की गाड़ी और उनकी गतिविधियां कैमरे में कैद मिलीं, जिसके आधार पर पड़ताल तेज की गई।पुलिस को खास मुखबिर से सूचना मिली कि दो संदिग्ध युवक जो बकरी चोरी में संलिप्त हो

सकते हैं, मोहनलालगंज के सैयद बाबा मोड़ के पास देखे गए हैं। इस इनपुट के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी करते हुए दोनों आरोपियों शाकिर अब्बास पुत्र ताजदार हुसैन निवासी ग्राम गढ़ी मंसारा थाना असन्द्रा, जनपद बाराबंकी और सूरज भोला पुत्र जयशंकर निवासी ग्राम रतोली खटोला, थाना बंथरा, जनपद लखनऊ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा गिरफ्तारी के बाद जब दोनों आरोपियों से पूछताछ की गई तो उन्होंने चौंकाने वाले खुलासे किए। उन्होंने बताया कि दो दिन पहले ललूमर गांव और डेवरिया भरसवा गांव से बकरियां चोरी कर वे हैदरगढ़, बाराबंकी के बाजार में 17,000 रुपये में बेच चुके हैं। वे कार से गांवों का दौरा करते थे और जहां मौका मिलता, वहां घरों के बाहर या सड़क किनारे बंधी बकरियों को उठा ले जाते थे। चोरी की गई बकरियों को स्थानीय बाजार में औने-पौने दाम में बेच दिया जाता था। मोहनलालगंज कोतवाली प्रभारी दिलेश कुमार सिंहन बताया कि आरोपियों से आगे की पूछताछ में चोरी की गई अन्य बकरियों व इस्तेमाल किए गए वाहन के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल दोनों अभियुक्तों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में दहशत फैला रहे बकरी चोर गिरोह पर करारा प्रहार हुआ है। ग्रामीणों ने पुलिस की तत्परता और सजगता की सराहना की है। मोहनलालगंज क्षेत्र में अब बकरी चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगने की उम्मीद है। इन्स्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने बताया बकरी चोरी की घटनाओं को हल्के में नहीं लिया जा सकता। यह सीधे साधे ग्रामीणों की आजीविका और सुरक्षा से जुड़ा मामला है। हम अपराधियों पर लगातार निगरानी रख रहे हैं और इस तरह की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

आपातकाल कांग्रेस की लोकतंत्र विरोधी सोच का परिणाम- मयंकेश्वर शरण सिंह

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर। देश में 25 जून 1975 को तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल को भारतीय जनता पार्टी व लोकतंत्र प्रेमी हर वर्ष काले दिवस के रूप में मनाते हैं इसी क्रम में आपातकाल के काले दिवस की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रेस वार्ता का आयोजन स्थानीय गेस्ट हाउस में किया गया। प्रेस वार्ता को जिले के प्रभारी मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह व भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री अवध क्षेत्र के प्रभारी संजय राय द्वारा संबोधित किया गया अपने संबोधन में प्रभारी मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने बताया कि 25 जून 1975 को कांग्रेस की सरकार की अतिवादी नीति के तहत लगाई गई इमरजेंसी कांग्रेस की लोकतंत्र विरोधी सोच का परिणाम थी जिससे देशवासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था देश के बड़े नेताओं को जेल में डाल दिया गया था।यहां तक की प्रेस की स्वतंत्रता का भी हनन किया गया था। जो कि सर्वथा अनुचित था और कांग्रेस आज भी अपने लोकतंत्र विरोधी चेहरे के कारण जानी जा रही है। जिस कांग्रेस पार्टी ने इमरजेंसी लगाकर लोकतंत्र की हत्या की थी वही आज संविधान की बातें करती हैं या उलट बासी है प्रेस वार्ता में बोलते हुए प्रदेश महामंत्री संजय राय ने बताया कि आज आपातकाल के 50 वर्ष पूरे हो गए हैं और इन 50 वर्षों में अगर कुछ नहीं बदला है तो वह है कांग्रेस का चरित्र कांग्रेस आज भी लोकतंत्र के सम्मान के साथ खिलवाड़ करती देखी जाती है। उन्होंने बताया कि मैं दावे से कहता हूं कि राहुल गांधी ने ना तो संविधान पढ़ा है और ना ही संविधान की मर्यादा को वह समझते हैं इसीलिए वह विदेश में जाकर देश की

खिलाफत करने से भी नहीं बाज आते हैं राहुल गांधी केवल संविधान के साथ खिलवाड़ करके राजनीति करते देखे जाते हैं उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी लोकतंत्र के मूल्य में विश्वास करती है और भारत के लोकतंत्र के साथ वह निरंतर खड़ी है। प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से जिला प्रभारी नीरज सिंह व जिलाअध्यक्ष राजेश शुक्ला उपस्थित रहे। साथ ही प्रभारी मंत्री व भाजपा नेताओं द्वारा एक पेड़ अपनी मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण भी किया गया।

इस अवसर पर शहर के राजकीय इंटर कॉलेज में आपातकाल से संबंधित प्रदर्शनी आयोजित की गई जिसका अवलोकन प्रभारी मंत्री मयकेश्वर शरण सिंह, प्रदेश महामंत्री संजय राय जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला जिला प्रभारी नीरज सिंह द्वारा किया गया। साथ ही एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें जिले भर के लोकतंत्र संग्राम सेनानियों को सम्मानित किया गया इस दौरान लोकतंत्र संग्राम सेनानियों ने 1975 में लगाई गई इमरजेंसी के अनुभवों को भी साझा किया। जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने बताया इमरजेंसी से देश में बड़े नकारात्मक बदलाव हुए उस समय के हालात देखकर लोगों का लोकतंत्र से विश्वास समाप्त होने लगा ।जिससे देश को काफी नुकसान का सामना करना पड़ा ।लेकिन लोकतंत्र संग्राम सेनानियों ने इस संग्राम को जीत कर भारत माता के गौरव को पुनः वापस दिलाया । उन्होंने सभी लोकतंत्र संग्राम सेनानियों को भारत की धरोहर बताया। और उनके सम्मान को पुण्य का विषय बताया द्य जिला प्रभारी नीरज सिंह ने इमरजेंसी के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के निष्ठुर एवं अलोकतांत्रिक नीतियों के विषय में बताया और इस आपातकाल के विरोध में उतरे नेताओं के संघर्ष के विषय में भी विस्तार से बताया। संगोष्ठी को एमएलसी सभापति प्रशासनिक वित्तीय विलंबित समिति पवन सिंह चौहान ने भी संबोधित किया उन्होंने आपातकाल के दौरान के भारत और लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष के विषय में विस्तार से बात की। कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष उमाकांत मिश्रा अजय गुप्ता राम नरेश मिश्रा निवर्तमान जिला अध्यक्ष अचिन मल्होत्रा, संजय मिश्रा ,सुधाकर शुक्ला विश्राम सागर राठौर नैमिष रत्न तिवारी सुनील मिश्रा राजेश्वर रस्तोगी जयप्रकाश पांडेय, उदित वाजपेई राजेश्वर रस्तोगी करुणा शंकर त्रिपाठी अनूप विश्वकर्मा अमन विक्रम सिंह, सागर गुप्ता तरुण शुक्ला कंचन प्रभा पांडे संतोष शुक्ला अनीत मिश्रा रोहित सिंह सहित सम्मानित लोकतंत्र संग्राम सेनानी भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता और समर्थक उपस्थित रहे।।

उप राष्ट्रपति से शिष्टाचार भेंट में मिले राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज, प्रतापगढ़। संसद के आगामी मानसून सत्र को लेकर राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने मंगलवार की शाम नई दिल्ली में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से शिष्टाचार मुलाकात की। आगामी इक्कीस जुलाई से होने वाले संसद सत्र में राज्यसभा के सभापति एवं उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शिष्टाचार मुलाकात मे विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी से सदन की कार्रवाई के तहत अधिकाधिक कामकाज को लेकर पारस्परिक सहयोग पर जोर दिया। उप राष्ट्रपति भवन में हुई उच्चस्तरीय संसदीय शिष्टाचार के तहत हुई मुलाकात के दौरान विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने उप राष्ट्रपति को विपक्ष की ओर से सदन संचालन में भरपूर सहयोग का भरोसा दिलाया। वही उन्होने ज्वलंत राष्ट्रीय

मुददों पर चर्चा के सकारात्मक माहौल के लिए संसदीय परम्पराओं को प्राथमिकता दिये जाने का भी उप राष्ट्रपति से आग्रह किया। इधर राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने अर्न्तराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा को दुनिया के पटल पर भारत के लिए एक और स्वर्णिम अध्याय की शुरूआत कहा है।

उन्होने कहा कि 1962 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पं0 जवाहर लाल नेहरू की दूरदृष्टि से भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान के गठन का देश को सकारात्मक मिल रही इन सफलताओं की देन है। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी की उप राष्ट्रपति से हुई मुलाकात की जानकारी यहां मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल के हवाले से दी गई है।

संक्षिप्त खबरें

गोंडा- एसपी विनीत जायसवाल का ताबड़तोड़ एक्शन, आठ उपनिरीक्षकों की तैनाती में फेरबदल

गोंडा। जिले के पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने एक बार फिर अपनी सक्रियता और सख्ती का परिचय देते हुए पुलिस विभाग में बड़े पैमाने पर फेरबदल किया है। हाल ही में दो थानों के प्रभारी को लाईन हाज़िर के बाद उन्होंने एक इंस्पेक्टर के स्थानांतरण और आठ उपनिरीक्षकों की तैनाती में बदलाव किया है। जिससे जिले के विभिन्न थानों और चौकियों में नए चेहरों की नियुक्ति हुई है। इस कार्रवाई का उद्देश्य जिले में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करना तथा पुलिस कार्यप्रणाली में सुधार लाना बताया जा रहा है। इस फेरबदल के तहत उपनिरीक्षक अखिलेश राही को चौकी प्रभारी तिवारी बाजार, थाना कोतवाली नगर बनाया गया है। विशेष रूप से, 22 जून 2025 को अखिलेश राही का थाना मोतीगंज किया गया स्थानांतरण आदेश रद्द कर दिया गया, जिसके बाद उन्हें तिवारी बाजार चौकी की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं, चौकी प्रभारी दुबहा के पद पर तैनात सुनील कुमार सिंह को थाना तरबगंज भेजा गया है। इन बदलावों से पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है, और यह संदेश दिया गया है कि लापरवाही बरतने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इस ताजा कार्रवाई से जिले के पुलिसकर्मियों में कार्य के प्रति जवाबदेही बढ़ने की उम्मीद है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह फेरबदल जिले की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करेगा। यह बदलाव गोंडा पुलिस की कार्यशैली में नई ऊर्जा लाने का प्रयास माना जा रहा है। एसपी ने स्पष्ट किया कि आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेंगी, ताकि जनता को बेहतर पुलिस सेवा मिल सके।

पिता-पुत्र ने नदी में लगाई छलांग, पुत्र की मौत

कर्नलगंज, गोंडा। तहसील क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई है। यहां पसका के त्रिमुहानी घाट पर पिता-पुत्र ने किसी कारण के चलते नदी में छलांग लगा दी, जिसके परिणामस्वरूप 14 वर्षीय पुत्र की मौत हो गई, जबकि पिता को स्थानीय लोगों ने बचा लिया। मृतक की पहचान नवनीत गोस्वामी (14) पुत्र अरविंद गोस्वामी के रूप में हुई है, जो कलवारी गांव के निवासी बताये जाते हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना बुधवार को त्रिमुहानी घाट पर हुई। बताया जा रहा है कि किसी पारिवारिक या व्यक्तिगत विवाद के कारण पिता अरविंद गोस्वामी और उनके बेटे नवनीत ने नदी में कूदने का फैसला किया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और अरविंद गोस्वामी को नदी से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, नवनीत को बचाया नहीं जा सका और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अरविंद की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें तत्काल इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में यह आत्महत्या का मामला प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं पर गहनता से जांच कर रही है। लोगों में इस घटना को लेकर शोक की लहर है। पुलिस ने बताया कि मृतक के परिजनों से पूछताछ की जा रही है ताकि घटना के सही कारणों का पता लगाया जा सके।

उपज का उचित मूल्य प्राप्त करने के लिए किसान कराए ऑनलाइन पंजीकरण

रायबरेली, जिला खाद्य विपणन अधिकारी सोनी गुप्ता ने बताया है कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में न्यूनतम समर्थन मूल्य योजनान्तर्गत भारत सरकार द्वारा सीधे किसानों से धान क्रय हेतु समर्थन मूल्य धान कॉमन रुपए 2369.00 एवं ग्रेड 'ए' रुपए 2389.00 प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया है। गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष रुपए69.00 प्रति कुन्तल अधिक धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है। जिला खाद्य विपणन अधिकारी ने कहा है कि सभी किसान बन्धुओं से अनुरोध है कि अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त करने हेतु अधिक से अधिक ऑनलाइन पंजीकरण करवाते हुए राजकीय क्रय केन्द्रों पर अपना धान विक्रय कर भारत सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य का अधिक से अधिक लाभ उठाये।

दिल्ली पुलिस ने कुख्यात गोगी गैंग के एक हथियारबंद शार्प शूटर को गिरफ्तार किया

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली गोगी गैंग के एक शार्प शूटर चिराग उर्फ काला निवासी नरेला दिल्ली की गिरफ्तारी के साथ, निरीक्षक अजय शर्मा और निरीक्षक अजय गहलावत, एनआर-I/अपराध शाखा की एक टीम ने सहायक आयुक्त पुलिस श्री अशोक शर्मा की देखरेख और समग्र मार्गदर्शन में पुलिस चौकी केएनके मार्ग में हुई गोलीबारी की घटना के मामले का निपटारा किया है 09.06.2025 को, चार मोटरसाइकिल सवार/शूटरों ने शाम के समय दिल्ली के रोहिणी के सेक्टर 16 में एक व्यवसायी के घर के सामने खड़ी दो कारों पर गोलीबारी की। कई राउंड फायरिंग की गई जिससे कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। दिल्ली के केएनके मार्ग पुलिस स्टेशन में कानून की उचित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। यह घटना सार्वजनिक रूप से हुई और इसने दिल्ली/एनसीआर के आम लोगों में काफी चिंता पैदा कर दी। अपराध की गंभीरता को देखते हुए, कई टीमों का गठन किया गया, जिन्होंने दोनों मामलों पर काम करना शुरू कर दिया। तकनीकी और मैनुअल इनपुट दोनों की तलाश की गई। प्राथमिक जांच के दौरान, व्यक्तिगत दुश्मनी और स्थानीय मुद्दे के कोण की जांच की गई, लेकिन कुछ भी सामने नहीं आया। टीम ने समर्पित रूप से काम किया और आखिरकार एनआर-द्व/अपराध शाखा के प्रधान सिपाही मंदीप राणा और प्रधान सिपाही नरेंद्र को संभावित इनपुट प्राप्त हुआ। गुप्त मुखबिर ने बताया कि केएनके फायरिंग मामले में शामिल मुख्य शार्प शूटर, गोगी गिरोह का चिराग उर्फ काला किसी से मिलने के लिए नाला रोड, सेक्टर 25, रोहिणी, दिल्ली में आएगा। सूचना वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साझा की गई और उप निरीक्षक अजीत सिंह, उप निरीक्षक मनीष पंवार, सहायक उप निरीक्षक पवन, प्रधान सिपाही मंदीप, प्रधान सिपाही नरेंद्र, प्रधान सिपाही आकाश, प्रधान सिपाही दिनेश, प्रधान सिपाही विकास डबास, प्रधान सिपाही शबीर, प्रधान सिपाही रविंदर कुमार और सिपाही अंकुश की टीम मौके पर पहुंची लगभग 8:30 बजे, सेक्टर 25, रोहिणी भगवान महावीर रोड की तरफ से नाला रोड की तरफ आते हुए एक लड़के को देखा गया। लड़का नाला रोड पर मुड़ने के बाद एक बिंदु पर रुक गया और किसी का इंतजार करने लगा।

गुप्त मुखबिर के कहने पर, पुलिस पार्टी संदिग्ध के करीब पहुंची और उचित बल का प्रयोग करके उसे पकड़ लिया। प्रधान सिपाही नरेंद्र और प्रधान सिपाही मंदीप राणा ने लड़के पर झपट्टा मारा और उसे काबू कर लिया, जबकि वह अपनी दाहिनी जेब तक पहुंचने की कड़ी कोशिश कर रहा था, जिसमें बाद में पता चला कि उसके पास एक लोडेड अत्याधुनिक पिस्तौल है। पूछताछ करने पर पिस्तौल ले जाने

वाले लड़के की पहचान चिराग उर्फ काला पुत्र अशोक निवासी स्वतंत्र नगर, बांकनेर, नरेला, दिल्ली- 110040, उम्र-22 वर्ष के रूप में हुई आगे की पूछताछ में चिराग उर्फ काला ने खुलासा किया कि उसका चचेरा भाई अक्षय उर्फ टैक्सी गोगी गैंग से जुड़ा है। अक्षय उर्फ टैक्सी वर्तमान में जेल में है। अक्षय उर्फ टैक्सी के निर्देश पर उसने कुछ स्थानीय अपराधियों/व्यापारियों को धमकाया है। मामला पुलिस के संज्ञान में आया और पुलिस ने चिराग उर्फ काला की तलाश शुरू कर दी। किसी ने उसे बताया कि केएनके फायरिंग घटना की शिकायतकर्ता ने की है। आगे की जांच के दौरान, सेक्टर 16 रोहिणी में अपराध को अंजाम देने में इस्तेमाल की गई एक और अत्याधुनिक पिस्तौल उसकी निशानदेही पर बरामद की गई।

सत्ता सुख के लिए आपातकाल कांग्रेस का असली चरित्र, देश के लिए काला अध्याय- रविंद्र सोलंकी

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली। कनॉट प्लेस पालिका बाजार पार्क में आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर विरोध एवं खेद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उपस्थित होकर आपातकाल को काला दिवस बताते हुए इसका विरोध एवं निंदा किया। महरौली जिला भाजपा के नव नियुक्त जिला अध्यक्ष रविंद्र सोलंकी ने आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर कहा कि यह भारतीय लोकतंत्र का काला दिवस के रूप में इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया है। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की निरंकुशता एवं क्रूरता का यह जीत जागता प्रमाण है।घटिया राजनीति एवं सत्ता के लालच में कांग्रेस सरकार द्वारा पूरे देश में इमरजेंसी लागू की गई। इस अवसर पर अंबेडकर नगर विधानसभा के जुझारू,कर्मठ कार्यकर्ता ऋषिपाल ने कहा कि आपातकाल में सभी बड़े नेताओं,सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं आम जनता को भी यातना एवं प्रताड़ना दे कर जेल में ठूँस दिया गया। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में कांग्रेस का इस तरह का घिनौना खेल आज भी लोगों के जहन में जिंदा है। ऋषि पाल ने कहा कि क्रूरता एवं बर्बरता की यह

कहानी आज भी देश वासियों को आक्रोश एवं दुख दर्द से भर देता है।उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में अकारण आपातकाल थोपना इंदिरा सरकार के निरंकुशता अधिनायकवादी सोच को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तमाम विपरीत परिस्थितियों एवं विपक्ष के दुष्प्रचार एवं विरोध के बाद भी लोकतांत्रिक तरीके से देश का लगातार विकास कर रहे है। आपातकाल से जहां देश में अव्यवस्था और अराजकता की स्थिति पैदा हो गई थी, वहीं विश्व में भारतीय लोकतंत्र पर प्रश्न चाहिए खड़ा हो गया। इस काला दिवस के 50 साल पूरा होने पर भाजपा पूरे देश में आक्रोश एवं विरोध प्रदर्शित कर रही है। कांग्रेस के इसी चरित्र के कारण जनता ने उसे सिरे से नकार दिया है और आज कांग्रेस देश की राजनीति में हाशिए पर आ गई है।

श्रम संसाधन विभाग द्वारा एक दिवसीय जॉब कैम्प का भोरे में होगा आयोजन

गोपालगंज (बिहार)- श्रम संसाधन विभाग,जिला नियोजनालय गोपालगंज के द्वारा दिनांक- 28.06.2025 को एक दिवसीय जॉब कैम्प का आयोजन किया गया है। इस दिन 11:00 बजे से 4:00 बजे शाम तक इच्छुक अभ्यर्थी एक दिवसीय जॉब कैम्प में नियोजक से जॉब के विषय में जानकारी प्राप्त कर अपना आवेदन/बायोडाटा जमा कर साक्षात्कार में भाग ले सकते है। जॉब कैम्प में निजी क्षेत्र की कम्पनियॉ भाग लेती हैं। इच्छुक अभ्यर्थी अपने साथ बायोडाटा इत्यादि लेकर आयें। **नियोक्ता का नाम-** HARIOM FEEDS PRIVATE LIMITED .GOPALGANJ पद का नाम ASSISTANT ACCOUNTANT, WEIGHTMENT SUPERVISIOR, रिक्तियो की संख्या 25, योग्यता 12TH BCOM ADCA, उम्र 18-40 4eas, वेतन 12000 रूपये एवं पुरुष, कार्य स्थल ANY BRANCHES OF COMPANY **जॉब कैम्प का स्थान-** BSDC भोरे, गोपालगंज

जीरादेई वि.स.क्षेत्र मे जद(यू0) की पंचायत वार बूथ कमिटी की बैठक प्रथम चरण नवतन प्रखण्ड में सम्पन्न हुआ- जिला संगठन प्रभारी

स्वतंत्र प्रभात

सिवान/गोपालगंज- बिहार प्रदेश जनता दल युनाइटेड प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिह कुशवाहा द्वारा वर्चुअल बैठक प्रथम चरण का आज जीरादेई विधान सभा क्षेत्र के नवतन प्रखण्ड में नव पंचायतों मुरारी पट्टी, खाप बनकट, खालवा, मठिया, नवतन, नरकटिया, सेमरिया, गाम्भीरपुर, एवं अगौता में आज बूथ जीतो चुनाव जीतो लक्ष्य एवं संकल्प के साथ पंचायत वार बूथ कमिटी सदस्यों की अच्छी उपस्थिति के साथ सम्पन्न हुई बैठक मे उपस्थित सदस्यों एवं पार्टी पदाधिकारीयो को वर्चुअल मध्यम से प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिह कुशवाहा, प्रदेश महासचिव मुख्यालय प्रभारी अनिल कुमार,व परमहंस कुमार ने भी सम्बोधित किया, बैठक में प्रदेश महासचिव सह जिला संगठन प्रभारी प्रमोद कुमार पटेल, जिला अध्यक्ष

चन्द्रकेतु सिह, विधानसभा प्रभारी पशुपति नाथ पटेल, कार्यक्रम प्रभारी रामेश्वर रजक ने नीतीश सरकार की बीस वर्षो मे की गई विकास एवं जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। जिला संगठन प्रभारी श्री पटेल ने कहा कि 2005 के बाद बदलता बिहार , न्याय के साथ विकास के 20 साल बेमिसाल है। 2025 में फिर से नितीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाना है। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से 2030 फिर से नीतीश बैठक में जिला संगठन प्रभारी प्रमोद कुमार पटेल, जिला अध्यक्ष चन्द्र केतु सिह, विधानसभा प्रभारी पशुपति नाथ पटेल, कार्यक्रम प्रभारी रामेश्वर रजक, प्रखण्ड अध्यक्ष रविंद्र सिह कुशवाहा, राज्य परिष्द सदस्य मोहन राजभर, शिक्षा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रोश जयराम यादव, प्रखण्ड संगठन प्रभारी डाश प्रकाशचन्द्र कुशवाहा, संजय कुमार महतो, जिला उपाध्यक्ष संजय सिंह, पंचायत अध्यक्ष उदय सिह, सम्मानित स्थानीय मुखिया कुंदन कुमार शाही उपस्थित थे।

पिछड़ों व दिव्यांगों को मुख्य धारा में लाने के लिए कृत संकल्पित सरकारःनरेन्द्र कश्यप

स्वतंत्र प्रभात

अलीगढ़। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश नरेन्द्र कश्यप द्वारा सर्किट हाउस सभागार में आगरा एवं अलीगढ़ मण्डल की विभागीय समीक्षा की गई। मंत्री ने बताया कि मोदी के मार्गदर्शन एवं योगी जी के नेतृत्व में प्रदेश भर में पिछड़े एवं दिव्यागों को मुख्य धारा में लाने के लिए धरातल पर कार्य किया जा रहा है। वर्ष 2017 में जहां पिछड़ा विभाग का बजट 1700 करोड़ था 2025 में उसे बढ़ाते हुए 3150 करोड़ रूपये किया गया है। जिसमें से 2825 करोड़ छात्रवृत्ति, 200 करोड़ शादी अनुदान के साथ ही सीसीसी-ओ लेबिल कम्प्यूटर प्रशिक्षण, 103 निःशुल्क छात्रावास का निर्माण कराते हुए पिछड़ों के जीवन को खुशहाल बनाने का सार्थक प्रयास किया गया है। इसी प्रकार 2017 में मिलने वाली दिव्यांगजन पेंशन की धनराशि को 300 रूपये से बढ़ाकर 1000 रूपये किया गया है। प्रदेश में 1,10000 दिव्यांगों को 1100 करोड़ से दिव्यांग पेंशन, 37.40 करोड़ से कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण, 2 करोड़ से मोटराइज्ड ट्राइसाकिल समेत विभिन्न योजनाओं के लिए कुल 1900 करोड़ का बजट स्वीकृत किया गया है। मंत्री जी ने बताया कि अधिकाधिक पिछड़े छात्रों को लाभान्वित करने के लिए आय सीमा को बढ़ाकर 01 लाख करने के साथ ही कट ऑफ रैंक 60 प्रतिशत से घटाकर 50 प्रतिशत की गई है। उप निदेशक पिछड़ा वर्ग

सर्किट हाऊस में विभागीय समीक्षा करते राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार

कल्याण आगरा मण्डल ने बताया कि वर्ष 2024-25 में पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना में 30995 विद्यार्थियों को 6.48798 करोड़ एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति में 103744 विद्यार्थियों को 97.091379 करोड़ की धनराशि से लाभान्वित किया गया। 2025-26 में शादी अनुदान योजना में 2915 के लक्ष्य के सापेक्ष 1312 आवेदन स्वीकृत हुए हैं जिनमें से 159 को लाभान्वित कर दिया गया है। मा0 मंत्री जी ने जल्द से जल्द सभी आवेदनों का सत्यापन कराते हुए पात्रों को लाभान्वित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि ओ-लेवल और सीसीसी में 1546 के लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूर्ण करते हुए सभी जिलों में प्रशिक्षण प्रदान संस्थाओं के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान कराया जा रहा है।

उप निदेशक पिछड़ा वर्ग अलीगढ़ मण्डल ने बताया कि पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृति योजना में विगत वर्षो का कोई प्रकरण लंबित नहीं है। ओ लेवल एवं सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण में 21 संस्थाओं का चयन हो गया है। प्रशिक्षण के लिए लाभार्थियों से आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। शादी अनुदान योजना में 4635 के लक्ष्य के सापेक्ष 2334 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिनमें से एसडीएम एवं बीडीओ स्तर से 1122 को अग्रसारित, 223 को निरस्त एवं 671 आवेदन लंबित हैं।

मंत्री ने कहा कि सरकार के पास धन की कोई कमी नहीं है अधिकाधिक पात्रों का चयन करते हुए उनको लाभान्वित कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कानपुर की घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए दिव्यांगजन विभाग के अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि बचपन डे केयर एवं हाफ-वे होम में बहुत की संस्थाएं एवं व्यक्ति सुविधाएं लेकर आते हैं। ऐसे में विभागीय अधिकारी उस संस्था एवं व्यक्ति का फीडबैक लेते हुए सुनिश्चित करें कि दिव्यांगजनों का कहीं कोई दुरूपयोग न हो। उन्होंने दिव्यांगजनों के हितार्थ संचालित विद्यालयों व सस्थाओं में सक्षम अधिकारी की बिना अनुमति के कोई अनाधिकृत व्यक्ति प्रवेश न करें। बैठक में सभी जिलाध्यक्ष कृष्णपाल सिंह समेत आगरा व अलीगढ़ मण्डल के सभी जिलों के पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक की अध्यक्षता में दिव्यांगों वृद्धो को वितरण किए गए उपकरण

बरेली/नवाबगंज लेखपाल प्रशिक्षण केंद्र में विधायक डॉक्टर एमपी आर्य की अध्यक्षता में कानपुर की एनजीओ संस्था के द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया इस कार्यक्रम में 365 लोगों का आवेदन हुआ था इस के साथ ही अन्य वृद्ध जनो को भी जिनकी आयु 60 वर्ष से अधिक हो गई है ऐसे लोगों को भी बुढ़ापे में सहारा देते हुए कई उपकरण भेंट किए गए। इस का आयोजन एल्यूमको कंपनी के द्वारा आयोजित किया गया है यहां पर उपस्थित क्षेत्रीय विधायक डॉक्टर एमपी आर्य ब्लॉक भदपुरा के ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार नवाबगंज के ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉक्टर ए के गंगवार प्रशासनिक अधिकारी एसडीम नवाबगंज उदित पवार तहसीलदार दुष्यंत कुमार सिंह नत्थू लाल गंगवार पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष राजीव कुमार गंगवार आदि लोग उपस्थित थे यहां पर पहुंचे वृद्ध एवं जीव दिव्यांगों को उपकरण भेंट किए गए हैं उपकरण प्रकार सभी प्रसन्न हुए।

सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए हुई बैठक

● भारत नेपाल सीमा पर पैदल गश्त की गई

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। सीमा चौकी सशस्त्र सीमा बल ककरहवा में थाना मोहाना पुलिस, कस्टम विभाग, नेपाल एपीएफ तथा नेपाल पुलिस के साथ सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए समन्वय बैठक का आयोजन किया गया एवं भारत-नेपाल सीमा पर पैदल गस्त किया गया बुधवार को भारत-नेपाल सीमा पर स्थित सीमा चौकी सशस्त्र सीमा बल ककरहवा में कस्टम विभाग, नेपाल एपीएफ तथा नेपाल पुलिस के साथ सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। यह आयोजन सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और आपसी समन्वय बढ़ाने के लिए उद्देश्य से किया गया। इसके बाद भारत-नेपाल सीमा पर संयुक्त पैदल गश्त की गई।

बैठक में एसएसबी की तरफ से उज्जल दत्ता, कमांडेंट 43वी वाहिनी, निरीक्षक सामान्य-राम प्रताप सिंह, निरीक्षक रमन कुमार, कस्टम विभाग से निरीक्षक संजीव कुमार, रोहित उपाध्याय थानाध्यक्ष मोहाना, नेपाल एपीएफ से निरीक्षक राम कुमार घिमरे और नेपाल पुलिस के एसएसआई माधव पंथी एवं वीरेंद्र यादव, चौकी प्रभारी ककरहवा शामिल रहे।

शिक्षकों की सेवानिवृत्ति, मात्र एक शासकीय नियम- शैलेश कुमार

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। शिक्षक की सेवानिवृत्ति, मात्र एक शासकीय नियम है, शिक्षक कभी सेवा निवृत्त नहीं होता। अपने ज्ञान अनुभव और आचरण से सदैव समाज को नित नई दिशा देता है, इसीलिए शिक्षक को पथ प्रदर्शक और मार्ग दर्शक कहा जाता है। ये बातें ब्लॉक संसाधन केन्द्र बर्डपुर के सभागार में प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई बर्डपुर द्वारा आयोजित सेवा निवृत्त शिक्षक सम्मान समारोह एवं शिक्षा उन्नयन संगोष्ठी को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार ने व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षक अपने दायित्वों का पूरी ईमानदारी से निर्वहन करें, क्योंकि शिक्षक समाज का दर्पण होता है, आदर्श होता है और देश के सुनहरे भविष्य का निर्माण करता है। खण्ड शिक्षा अधिकारी रामू प्रसाद ने कहा कि आप सब समय का अनुपालन करें, नियमित विद्यालय जाएं, और समाज में आदर्श प्रस्तुत करें, तभी समाज में सम्मान मिलेगा और बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा मिलेगा।

मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार ने कंपोजिट विद्यालय नंदनगर के प्रधानाध्यापक बुद्धिराम, मधुबेनिया के प्रधानाध्यापक शब्बीर अनवर अंसारी तथा प्राथमिक विद्यालय दुल्हा खुर्द के प्रधानाध्यापक मोहम्मद इब्राहीम को फूल माला पहनाकर एवं बैज अलंकरण के पश्चात अंगवस्त्र, शॉल, धार्मिक ग्रंथ, कलम, डायरी तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता हेतु सभी को मोमेंटो के रूप में प्राकृतिक पौधा भेंट कर सभी सेवा निवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया तथा सभी के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घ आयु की कामना की, तथा सकुशल और सम्मान के साथ सेवा निवृत्त होने पर बधाई दी। साथ ही पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला महामंत्री कलीमुल्लाह और प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार मिश्र ने फूलमाला पहनाकर बैज अलंकरण करने के बाद शॉल तथा मोमेंटो के तौर पर बुद्ध की प्रतिमा तथा प्राकृतिक पौधा भेंट कर सम्मानित किया।

कंपोजिट विद्यालय काशीपुर के बालिकाओं द्वारा सरस्वती बंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इस दौरान जिला स्काउट मास्टर महेश कुमार, आशीष कुमार सिंह, इश्तियाक अहमद, अब्दुल अज़ीज़, महेश कुमार, सुरेन्द्र चौधरी, केशव प्रसाद मिश्र, राम सेवक, ज़ुबैर अहमद उस्मानी, सालिक राम चौधरी, सेराज अहमद, बलवंत चौधरी, शमशुल हक़, सुशील कुमार सिंह, पंकज यादव, फौजिया नाज़, बंदना सिंह, कामिनी गुप्ता, रुचि त्यागी, शमा परवीन, ममता श्रीवास्तव, रेनू यादव आदि उपस्थित रहे।

मीसा बंदियों के पक्ष मे नारी शक्ति संगठन द्वारा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली 25 जून 2025 क़ो इमरजेंसी के 50 वर्ष पूर्ण होने पर नारी शक्ति संगठन गाजियाबाद ने मीसा बंदियों के ले लिए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा द्य ज्ञातव्य हैं कि 25 जून 1975 क़ो तत्कालीन प्रधानमंत्री द्वारा भारतीय लोकतंत्र मे काला अध्याय मीसा (आर्तरिक सुरक्षा अधिनियम) क़ानून लगाकर हजारों लोकतंत्र कि रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले तत्कालीन जनसंघ के नेताओं क़ो मीसा क़ानून के तहत 1975-1977 तक जेल मे भर दिया गया और भारतीय लोकतंत्र का गला घोटा गया था। जेल से छूटने के पश्चात् सभी लोकतंत्र सेनानियों क़ो मीसा बंदी नाम दिया गया और वर्तमान मे बीजेपी शासित सभी राज्यों मे मीसा बंदियों क़ो पेंशन प्रदान की जा रही हैं,

आज स्वयं सेवी संस्था नारी शक्ति संगठन

गाजियाबाद ने उक्त लोकतंत्र सेनानियों क़ो मीसा बंदियों, क़ो उनके चित्र मे पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया गया एवं भाव भीनी श्रद्धांजलि दी गयी, तथा जीवित मीसा बंदियों क़ो उनके पेंशन क़ो दुगुनी करने एवं उनके मृत्यु पश्चात् मीसा बंदियों क़ो राजकीय सम्मान का दर्जा देने की माँग, नारी शक्ति संगठन की अध्यक्षा, RWA की प्रेजिडेंट, सुप्रसिद्ध अंतराष्ट्रीय ज्योतिषी, तेज तर्रार, लोकप्रिय युवा महिला नेत्री रीमा वर्मा ने प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की हैं। इस आशय का एक ज्ञापन पत्र, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के नाम, जिला कलेक्टर गाजियाबाद क़ो संगठन द्वारा सौपा गया, कार्यक्रम एवं जिला कलेक्टर क़ो ज्ञापन देने संगठन के पदाधिकारी, मीरा विश्वास, मिथलेश उपाध्याय, संगीता चौहान,सर्मिष्ठा गाँगुली, सुधा जायसवाल, उमा सिँह, इत्यादि प्रमुख रूप से रहे।

गैंगस्टर अधिनियम के वांछित अभियुक्तत को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

स्वतंत्र प्रभात

महराजगंज/रायबरेली- रायबरेली पुलिस को उस समय एक बड़ी सफलता हाथ लगी जबकि जनपद के अलग-अलग थानों में आधा दर्जन से अधिक दर्ज अपराधिक मामलों का वांछित आरोपी कहीं भागने की फिराक में था। मुखबिर की सूचना पर स्थानीय थाने की पुलिस ने चारों तरफ से घेर लिया, हालांकि आरोपी ने भागने की कोशिश भी करी, किंतु पुलिस के चंगुल से बच नहीं पाया। आपको बता दें कि, कोतवाली महराजगंज से प्राप्त जानकारी के मुताबिक थाना महराजगंज में दर्ज मुकदमों के वांछित आरोपी राहुल पुत्र रामदयाल निवासी मोहनगंज थाना शिवगढ़ की पुलिस को काफी दिनों से तलाश थी। आरोपी के खिलाफ जनपद के गुरबक्शगंज, महराजगंज और मिल एरिया समेत शिवगढ़ थाने में आपराधिक मुकदमें दर्ज हैं। आरोपी राहुल काफी दिनों से पुलिस के साथ आंख मिचोली खेल रहा था।

मुखबिर खास की सूचना पर आज मंगलवार सुबह महराजगंज पुलिस को जैसे ही आरोपी के कहीं भागने का पता चला, वैसे ही पुलिस टीम सक्रिय हो गई और उसे चारों तरफ से घेर लिया, पुलिस को अपनी तरफ आता देख आरोपी ने भागने का भी प्रयास किया, किंतु पुलिस के चंगुल से बच नहीं पाया। उसे थाना क्षेत्र से नियमानुसार गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। मामले में कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव ने बताया कि, कोतवाली महराजगंज समेत जनपद के अलग-अलग

थानों में आरोपी के खिलाफ आधा दर्जन से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। काफी दिनों से आरोपी पुलिस से आंख मिचोली खेल रहा था और गिरफ्त में नहीं आ रहा था। आज जैसे ही पता चला कि, वह कहीं भागने की फिराक में है, पुलिस टीम ने चारों तरफ से घेर कर उसे अरेस्ट कर लिया। आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

महिला आयोग सदस्य ने महिला उत्पीड़न से संबंधित सुनीं शिकायतें

● पीड़ित महिलाओं को हर हाल में दिलाया जाए न्याय- पूनम द्विवेदी

स्वतंत्र प्रभात

रायबरेली, उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी ने बचत भवन स्थित कलेक्ट्रट सभागार में महिला उत्पीड़न व उनकी समस्याओं से जुड़े मुद्दो के बारे में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने जन सुनवाई करते हुए घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, वैवाहिक समस्या, लैंगिक भेदभाव, शिक्षा व रोजगार आदि संबंधी शिकायत सुनीं। उन्होंने जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए पीड़ित महिलाओ को हर हाल में न्याय दिलाया जाए। निर्देश दिये कि महिलाओं के उत्पीड़न व महिला से जुड़ी शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्वक एवं समयबद्ध तरीके से किया जाये तथा महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार ग्राम पंचायत व ग्रामीण स्तर पर कराया जाये। जिन प्रकरणों में अभी कार्यवा